website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 42 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 22 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स नासा से रिटायर

नई दिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 27 साल के शानदार अंतरिक्ष करियर के बाद नासा से रिटायरमेंट ले लिया है। नासा के मुताबिक, वह 27 दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से रिटायर हुईं। उनका रिटायरमेंट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर नौ महीने के ऐतिहासिक मिशन के बाद हुआ। नासा एडमिनिस्ट्रेटर जेरेड इसाकमैन ने कहा कि सुनीता विलियम्स ह्मन स्पेसफ्लाइट की ट्रेलब्लेजर रहीं और उन्होंने लो अर्थ ऑर्बिट में कमर्शियल मिशनों के लिए रास्ता तैयार किया। नासा ने उनके योगदान को चांद के आर्टेमिस मिशन और मंगल अभियान की नींव बताया। सुनीता विलियम्स का जन्म ओहायो में हुआ था। उनके पिता गुजरात के झूलासन गांव से थे। उन्होंने 9 दिसंबर 2006 को अपने पहले स्पेस मिशन की शुरुआत की। एक्सपीडिशन 14, 15, 32 और 33 में अहम भूमिका निभाने के साथ वह आईएसएस की कमांडर भी बनीं। उनका तीसरा और सबसे लंबा मिशन जून 2024 में शुरू हुआ, जो तकनीकी कारणों से नौ महीने तक चला। सुनीता ने कुल 9 स्पेसवॉक में 62 घंटे से ज्यादा समय बिताया, जो किसी भी महिला अंतरिक्ष यात्री के लिए रिकॉर्ड है। वह स्पेस में मैराथन दौड़ने वाली पहली इंसान भी रहीं।

दिल्ली-एनसीआर में 23 जनवरी को बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली-एनसीआर में 23 जनवरी को गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दिन अधिकतम तापमान करीब 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 10 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिनभर अलग-अलग समय पर बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। 24 जनवरी को मौसम साफ होने के बाद तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद है। इस दिन न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और मध्यम स्तर का कोहरा छाया रह सकता है। वहीं 21 और 22 जनवरी को भी एनसीआर में मध्यम कोहरा रहेगा, जिसके बाद अगले कुछ दिनों तक कड़ाके की ठंड लोगों को परेशान कर सकती है। देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो 21 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और आसपास के इलाकों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 22 से 26 जनवरी के बीच पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में व्यापक बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 22 से 24 जनवरी के दौरान छिटपुट से मध्यम बारिश का अनुमान है। इसके अलावा, कई राज्यों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और ठंड व खराब मौसम से बचाव की सलाह दी है।

ट्रेड वॉर के डर से सोना-चांदी के रिकॉर्ड में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक ट्रेड वॉर की आशंकाओं और डॉलर में कमजोरी के बीच सोना-चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर गोल्ड फरवरी फ्यूचर्स 4,100 रुपये से ज्यादा यानी करीब 4.25 फीसदी की तेजी के साथ 1,56,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी मार्च फ्यूचर्स भी 2.71 फीसदी बढ़कर 3,32,451 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं ने नई ऊंचाइयां छुईं। CO-MEX पर अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 4,849 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक पहुंच गया, जबकि सिल्वर 92.5 से 95.7 डॉलर के दायरे में बना रहा। इस तेजी की बड़ी वजह अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ता ट्रेड टकराव है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका 1 फरवरी से आठ यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है, जिसे जून तक बढ़ाकर 25 फीसदी किया जा सकता है। इसके जवाब में यूरोपीय देश भी एंटी-कोएर्सिव ट्रेड डिफेंस कदमों पर विचार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी का मीडियम से लॉन्ग टर्म आउटलुक बेहद बुलिश है। सप्लाई की कमी और सोलर, ईवी, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर व इलेक्ट्रॉनिक्स से मजबूत इंडस्ट्रियल डिमांड के चलते 2026 तक चांदी के 110–120 डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। रुपये में कमजोरी, सेफ-हेवन फ्लो, सेंट्रल बैंक की खरीदारी और जियोपॉलिटिकल रिस्क भी सोना-चांदी को मजबूत सपोर्ट दे रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा सत्र से पहले भजनलाल सरकार की अहम कैबिनेट बैठक

-कई बड़े फैसलों पर बन सकती है सहमति

जयपुर। राजस्थान में 16वीं विधानसभा के चौथे सत्र से पहले (बुधवार, 21 जनवरी) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया जा रहा है। विधानसभा सत्र से पहले ये अहम बैठक मानी जा रही है जिसमें कई बड़े फैसले लिए जाएंगे। इनमें मुख्य रूप से राज्यपाल के अभिभाषण के साथ विधानसभा की रूपरेखा तय की जाएगी। इस बैठक में कई बड़े नीतिगत फैसलों और विधायी कार्यों को हरी झंडी मिल सकती है।

28 जनवरी से शुरू होगा विधानसभा सत्र, पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण

दरअसल, 28 जनवरी से विधानसभा सत्र शुरू होने जा रहा है। उससे पहले यह महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा, जिसमें सरकार की आगामी जन कल्याणकारी योजनाओं और कामकाज की जानकारी के साथ नई नीतियों का खाका तैयार किया जाएगा। इस बैठक में अभिभाषण का अंतिम ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। सदन में तीन दिन तक अभिभाषण पर पक्ष और विपक्ष के बीच बहस होगी, जिसका जवाब सरकार पांचवें दिन देगी।

नीतिगत सुधारों और अध्यादेशों पर हो सकता है फैसला

कैबिनेट की इस बैठक में कई अहम कानूनी बदलावों और अध्यादेशों पर चर्चा के बाद उन्हें मंजूरी दी जाएगी, जिन्हें बाद में सदन पटल पर रखा जाएगा। राजस्थान जन विश्वास (संशोधन) अध्यादेश-2025, इसका उद्देश्य नियमों के सरलीकरण और सुशासन को बढ़ावा देना है। राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) अध्यादेश, व्यापारिक सुगमता के लिहाज से यह बड़ा कदम माना जा रहा है। पंचायत एवं नगरपालिका अधिनियम जिसके तहत स्थानीय निकायों के कामकाज और शक्तियों से जुड़े संशोधनों पर भी कैबिनेट की मुहर लग सकती है।

राज्यपाल के अभिभाषण और गणतंत्र दिवस पर भी मंथन

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि बजट सत्र से पहले होने वाली यह कैबिनेट बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि विधानसभा में प्रस्तुत किए जाने वाले विधायी कार्यों, राज्यपाल के अभिभाषण और गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिए जाने वाले संदेश से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होगी। संबंधित विभागों और एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। कैबिनेट बैठक बजट सत्र की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी। इस बैठक में लिए गए निर्णयों का असर न केवल विधानसभा की कार्यवाही पर पड़ेगा, बल्कि राज्य के विकास और प्रशासनिक सुधारों की दिशा भी तय होगी।

रायबरेली दौरे में राहुल गांधी को मिला दादा फिरोज गांधी का ऐतिहासिक ड्राइविंग लाइसेंस

यूपी। उत्तर प्रदेश के रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर आए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए मंगलवार का दिन बेहद खास रहा। उन्हें उनके दादा और पूर्व सांसद फिरोज गांधी का दशकों पुराना ड्राइविंग लाइसेंस भेंट किया गया, जो वर्षों से गुमनाम था। रायबरेली प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान आयोजन समिति के सदस्य विकास सिंह ने राहुल गांधी को यह ऐतिहासिक दस्तावेज सौंपा।

सालों तक एक अमानत की तरह संभालकर रखा गया लाइसेंस

विकास सिंह ने बताया कि उनके ससुर को यह लाइसेंस कई साल पहले एक कार्यक्रम के दौरान मिला था। उनके निधन के बाद उनकी सास ने इसे एक अमानत की तरह सुरक्षित रखा था।

गांधी परिवार की धरोहर मानकर राहुल गांधी को सौंपा गया दस्तावेज

विकास सिंह ने कहा, "हमें लगा कि यह गांधी परिवार की धरोहर है और राहुल के रायबरेली दौरे के दौरान इसे उन्हें सौंपना हमारा कर्तव्य है।"

लाइसेंस देखते ही राहुल गांधी हुए भावुक, सोनिया गांधी को भेजी फोटो

जैसे ही राहुल गांधी को यह लाइसेंस मंच पर सौंपा गया, उन्होंने इसे बहुत ध्यान से देखा। पुरानी यादों से जुड़ा यह दस्तावेज देखकर राहुल गांधी काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने तुरंत अपने मोबाइल से लाइसेंस की फोटो खींची और व्हाट्सऐप के जरिए अपनी मां सोनिया गांधी को भेज दी।

रायबरेली से जुड़ी है फिरोज गांधी और गांधी परिवार की विरासत

आपको बता दें कि फिरोज गांधी का जन्म दिसंबर 1912 में हुआ था। उन्होंने 1952 में भारत के पहले आम चुनाव में रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व किया था। 7 सितंबर 1960 को उनका निधन हो गया था। आपको बता दें कि रायबरेली न केवल राहुल गांधी का वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र है, बल्कि उनके दादा फिरोज गांधी और मां सोनिया गांधी का भी कार्यक्षेत्र रहा है।

शंकराचार्य विवाद पर राकेश टिकैत का बड़ा बयान, बोले- संतों से छेड़छाड़ देश को संकट में डालेगी

यूपी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में किसान सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये देश ऋषियों और कृषियों का देश है। दोनों के साथ में छेड़खानी होगी तो हलचल तो पैदा होगी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ जो हुआ वह बहुत गलत हुआ। पुलिस ने जिस तरह से उन्हें रोका और छोटी पकड़ कर जिस तरह मारा पीटा और घसीटा गया वह बहुत गलत था संत महात्माओं के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। अगर तीर्थ स्थान से बिना स्नान किए संत वापस होगा तो देश पर संकट आएगा।

अब ये देश आंदोलन से ही बचेगा- राकेश टिकैत

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि ये देश अब आंदोलन से ही बचेगा। क्योंकि जनता में वैचारिक क्रांति आ चुकी है और लोग जान चुके हैं की ये सरकार खराब है। इसे बदलना होगा तभी देश का भला हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश भर के किसानों और नौजवानों को अब अपने संगठन मजबूत करने चाहिए और एकजुट होकर सरकार के गलत कामों का विरोध करना सीखना चाहिए। उन्होंने धान खरीद में गड़बड़ी पर भी सवाल उठाये और कहा कि देश में एम एस पी पर कानून बनना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह स्मारक स्थल पर पहुंचे राकेश टिकैत

जानकारी के अनुसार, राकेश टिकैत बिलारी के ढकिया नरू गांव के जंगल में 51 फीट ऊंची प्रतिमा वाले चौधरी चरण सिंह स्मारक स्थल पर मंगलवार को ग्राम प्रधान संगठन की ओर से प्रधान किसान एकता महा सम्मेलन के कार्यक्रम में पहुंचे थे। महा सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान संगठन और भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी पहुंचे। वहीं दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रधानों और किसानों से आपस में समन्वय बनाकर रखने और अपने अपने संगठन मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस दौरान राकेश टिकैत ने सरकार पर जमकर निशाना साधा।

US-India-EU ट्रेड डील में बड़ा उलटफेर, ट्रंप को डबल झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को डबल झटका लगने वाला है, एक तरफ यूरोपीयन यूनियन (EU) भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) की घोषणा करने जा रहा है और दूसरी तरफ अमेरिका और ईयू की ट्रेड डील सस्पेंड हो सकती है। बीबीसी में इंटरनेशनल ट्रेड कमेटी से जुड़े सूत्रों के हवाले से खबर छपी है कि बुधवार (21 जनवरी, 2026) को फ्रांस के स्ट्रॉसबर्ग में यूरोपीयन पार्लियामेंट अमेरिका के साथ ट्रेड डील को सस्पेंड करने का ऐलान कर सकती है। यूरोपीय देशों और अमेरिका के बीच यह व्यापार समझौता पिछले साल जुलाई में स्कॉटलैंड में हुआ था। उस वक्त अमेरिका ने यूरोपीय देशों के सामानों पर टैरिफ 30 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया और बदले में इन देशों ने अमेरिका में निवेश और अमेरिकी निर्यात बढ़ाने के लिए यह समझौता किया। हालांकि, अब ट्रंप ग्रीनलैंड को लेकर अलग मूड में नजर आ रहे हैं और उन्होंने यूरोप पर दबाव बनाने के लिए अगले महीने से 10 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया है, ताकि ये देश ग्रीनलैंड के मुद्दे पर उनका सपोर्ट करें।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों से यूरोपीय देश नाराज

डोनाल्ड ट्रंप ने आठ यूरोपीय देशों पर टैरिफ का ऐलान किया है। एक फरवरी से इन देशों के सामानों पर अमेरिका 10 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, ये वही देश हैं, जिन्होंने खुलकर ग्रीनलैंड पर ट्रंप के अमेरिकी नियंत्रण के फैसले का विरोध किया है। 18 जनवरी को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स और फिनलैंड के सामानों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा और यह टैरिफ बढ़ भी सकता है। ये सभी देश ग्रीनलैंड पर डेनमार्क के साथ हैं।

क्यों ग्रीनलैंड पर कब्जा चाहते हैं ट्रंप?

ट्रंप का मानना है कि इस इलाके में चीन और रूस की गतिविधियां बढ़ने से अमेरिका को खतरा हो सकता है इसलिए वह जल्द ग्रीनलैंड पर अमेरिका का नियंत्रण चाहते हैं। ग्रीनलैंड दुनिया के सबसे बड़े द्वीपों में से एक है और करीब तीन सौ सालों से यह डेनमार्क का हिस्सा है। साल 1979 में डेनमार्क ने ग्रीनलैंड को स्वायत्ता दी, जिसके तहत विदेश, रक्षा और आर्थिक मामलों से जुड़े मुद्दों को छोड़कर बाकी चीजों पर फैसला लेने का अधिकार ग्रीनलैंड को दिया गया। ग्रीनलैंड को डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त हिस्सा माना जाता है और डेनमार्क नॉर्थ अटलांटिक ट्रिटी ऑर्गेनाइजेशन (NATO) का हिस्सा है, इसलिए ग्रीनलैंड को इस संधि के तहत सुरक्षा मिली हुई है इसलिए नाटो के सदस्य देशों ने अपने सैनिक भी ग्रीनलैंड भेजे हैं।

27 जनवरी को यूरोपीयन यूनियन भारत के साथ करेगा FTA का ऐलान

ग्रीनलैंड को लेकर ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने ट्रंप के फैसला का खुलकर विरोध किया है और फ्रेंच विदेश मंत्री ने टैरिफ को ब्लेकमेलिंग करार दिया है। उधर, भारत और यूरोपीयन यूनियन के बीच एफटीए की घोषणा 27 जनवरी को होने जा रही है। इस समझौते के तहत दो देश एक-दूसरे के लिए अपने बाजारों में पहुंच को आसान बनाते हैं। एफटीए के बाद भारतीय सामानों को ईयू के 27 देशों के बाजारों में कम टैरिफ या बिना किसी टैरिफ के बगैर पहुंच मिलेगी। वहीं, ईयू के सामान को भी भारतीय बाजारों में उसी तरह पहुंच मिलेगी। अमेरिका ने भारत पर भी टैरिफ लगाया है, रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ ले रहे हैं।

महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा उलटफेर, कल्याण-डोंबिवली में शिंदे सेना–MNS की नई चाल

मुंबई। महाराष्ट्र की कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पॉलिटिक्स में किसी भी एक पार्टी को साफ बहुमत न मिलने की वजह से बहुत ही दिलचस्प राजनीतिक स्थिति बन गई है। महानगर पालिका की सियासत में कुछ ऐसा हो सकता है जो कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पॉलिटिक्स का रुख बदल देगा। सूत्रों के मुताबिक, ऐसी संभावना है कि शिंदे सेना, राज ठाकरे की MNS के साथ मिलकर कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अपना मेयर बनाएगी। इस बारे में कल से ही MNS और शिंदे कैंप के नेताओं के बीच बातचीत चल रही थी। इन दोनों पार्टियों का गठबंधन अभी फाइनल नहीं हुआ है और शिंदे सेना-MNS गठबंधन कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में सरकार बनाएगा, जिससे BJP और ठाकरे ग्रुप किनारे हो जाएंगे। MNS और शिंदे सेना के बीच गठबंधन को लेकर कल से ही चर्चा पर किसी भी पार्टी ने इस पर कोई ऑफिशियल कमेंट नहीं किया है। हालांकि, यह संभावना तब और मजबूत हो गई जब बुधवार, 21 जनवरी को एक ही समय पर MNS के 5 और एकनाथ शिंदे के 53 पार्षद ग्रुप रजिस्ट्रेशन के लिए कोंकण डिविजनल कमिश्नर के ऑफिस पहुंचे। दोनों पार्टियों के पार्षद के ग्रुप रजिस्ट्रेशन के लिए एक साथ यहां पहुंचने को संयोग या पॉलिटिकल टाइमिंग की बात कहा जा रहा है।

कल्याण-डोंबिवली में मेयर बनाने का गणित

कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में मेयर बनाने के लिए 62 पार्षद की जरूरत होती है। अभी शिंदे की शिवसेना के पास 53 पार्षद हैं, जबकि BJP के पास 50 पार्षद हैं। सूत्रों के अनुसार, शिंदे गुट ठाकरे ग्रुप के दो पार्षदों को साथ लाने की बात भी चल रही है। साथ ही, ठाकरे गुट से MNS में लौटे पार्षद भी सरकार बनने पर MNS के साथ ही रह सकते हैं। इसलिए MNS पार्षद की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। शिंदे सेना और MNS पार्षद जब कोंकण डिविजनल कमिश्नर के ऑफिस पहुंचे, तो उनकी मुलाकात MNS के श्रीकांत शिंदे, नरेश म्हस्के और राजू पाटिल से हुई। उनकी मुलाकात की फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस समय, MP श्रीकांत शिंदे ने कहा कि MNS ने शिंदे सेना को सपोर्ट किया है। श्रीकांत शिंदे ने साफ किया कि जो भी विकास के लिए साथ आएगा, हम उसे साथ लेकर चलेंगे।

जम्मू-कश्मीर: एलओसी पर पाकिस्तान ने फिर किया सीजफायर उल्लंघन, भारतीय सेना सतर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर सीजफायर उल्लंघन किया गया है। यह घटना मंगलवार रात उस समय हुई, जब भारतीय सेना के राष्ट्रीय राइफल्स के जवान सीमा क्षेत्र में हाई-टेक निगरानी कैमरे स्थापित कर रहे थे। इन कैमरों का उद्देश्य एलओसी के ब्लाइंड स्पॉट्स को कवर करना और सीमा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कैमरे लगाने की प्रक्रिया में बाधा डालने के इरादे से पाकिस्तानी सैनिकों ने छोटे हथियारों से दो राउंड फायरिंग की। भारतीय सेना ने संयम बरतते हुए जवाब में एक नियंत्रित गोली चलाई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी पक्ष से कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद भारतीय सेना ने आसपास के घने जंगल क्षेत्रों में घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि सीजफायर उल्लंघन का मकसद सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ को आसान बनाना हो सकता है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की ओर से एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इस तरह की घटनाएं पहले भी होती रही हैं। फिलहाल सेना पूरी तरह सतर्क है और स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

जन-जरूरत और क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देकर तैयार हों सड़क-पुल परियोजनाओं के प्रस्ताव - दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सड़क, पुल तथा भवन आदि के जो प्रस्ताव आगामी बजट के लिए तैयार किए जा रहे है उनमें संबंधित अधिकारी लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी बजट को ध्यान में रखते हुए विभागीय तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट से पूर्व सभी प्रस्तावों पर गहन समीक्षा एवं आवश्यक अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए अत्यंत आवश्यक तथा संबंधित क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाली सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट के लिए सड़कों, पुलों एवं भवनों से जुड़े कार्यों का चयन जनहित, क्षेत्रीय आवश्यकता, यातायात सुविधा एवं सुरक्षा तथा दीर्घकालीन उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने ऐसे प्रस्ताव तैयार करने पर जोर दिया जो विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप हो ताकि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जा सकें।

व्यावहारिक रूप से समय पर पूर्ण होने वाले प्रस्ताव तैयार करनें पर जोर:-

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्ताव तकनीकी रूप से सुदृढ, वित्तीय रूप से व्यावहारिक एवं समयबद्ध क्रियान्वयन योग्य हों ताकि बजट स्वीकृति के पश्चात कार्यों को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये की प्रस्तावित सड़क परियोजना वन क्षेत्र, रिहायशी क्षेत्र अथवा अन्य किसी कारण से लंबित एवं बाधित न हो।

तीन दिन फिल्ड विजिट के निर्देश:-

उपमुख्यमंत्री ने जनता एवं क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप बजट घोषणाओं के लिए अधिकारियों को आगामी तीन दिन तक फिल्ड विजिट के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जिलों में पदस्थापित अधिकारी फिल्ड में जाकर यह सुनिश्चित करें कि कौनसी सड़क परियोजना उस क्षेत्र के यातायात को सुगम बनाने एवं लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रियान्विती की समीक्षा करते हुए प्रदेश में चल रही परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एनएच, एनएचएआई, आरएसएचए, सीआईआरएफ, रिडकोर, पीएएमजीएसवाई तथा राज्य सड़कों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

नोबेल सम्मान न धमकी से मिलता है, न बम से

नोबेल पुरस्कार दबाव, धमकी या सौदेबाज़ी से हासिल नहीं किए जा सकते। यह सम्मान किसी व्यक्ति की आत्म-प्रशंसा, शक्ति प्रदर्शन या सैन्य दबाव का परिणाम नहीं होता, बल्कि विश्व शांति, मानवता और नैतिक मूल्यों के प्रति उसके वास्तविक, स्थायी और सर्वमान्य योगदान की स्वीकृति होता है। इसी संदर्भ में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा नॉर्वे के प्रधानमंत्री को लिखा गया कथित पत्र न केवल असंयमित है, बल्कि खतरनाक भी है। यह कहना कि आठ से अधिक युद्ध "बंद" कराने के बाद भी यदि नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, तो अब शांति के प्रति उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं रही—यह तर्क नहीं, एक तरह की धमकी है। यदि अमेरिकी समाज इस सोच को तुरंत और स्पष्ट रूप से खारिज नहीं करता, तो उसके सामूहिक विवेक और नैतिक चेतना पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगेंगे। लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं, मूल्यों से चलता है। अच्छे साध्य के लिए साधन भी पवित्र होने चाहिए—यह सिद्धांत राजनीति में भी उतना ही लागू होता है जितना निजी जीवन में। ईरान पर बम गिराकर युद्ध "रुकवाना" शांति नहीं कहलाता। यह वैसा ही है जैसे मोहल्ले का कोई दादा दो पड़ोसियों को धमकाकर लड़ाई रुकवा दे और फिर खुद को शांति-दूत घोषित कर दे। भय से थोपी गई चुप्पी शांति नहीं होती, वह केवल अस्थायी सन्नाटा होती है। इसके अलावा, युद्ध रोकने में किसी व्यक्ति की भूमिका उसी व्यक्ति के दावे से प्रमाणित नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय राजनीति जटिल होती है, जिसमें कई देश, संस्थाएं, कूटनीतिक प्रयास और परिस्थितियां शामिल होती हैं। नोबेल शांति पुरस्कार इसी व्यापक और निष्पक्ष मूल्यांकन के बाद दिया जाता है। यह कोई निजी ट्रॉफी नहीं, जिसे दबाव बनाकर या नैतिक ब्लैकमेल से हासिल किया जा सके। ट्रम्प यह भूल रहे हैं कि यदि इतने छिछले स्तर पर उतरने के बाद भी नोबेल समिति उन्हें पुरस्कार दे दे, तो इससे उनकी गरिमा नहीं बढ़ेगी, बल्कि स्वयं उस सम्मानित पुरस्कार की साख को गहरा आघात पहुंचेगा। ट्रम्प का यह कहना कि अब वे केवल अमेरिकी हित और औचित्य ही देखेंगे, अपने आप में खतरनाक संकेत है। ग्रीनलैंड पर कब्जा अमेरिकी हितों के लिहाज़ से लाभकारी हो सकता है, लेकिन क्या वह उचित और नैतिक है? टैरिफ के नाम पर विकासशील देशों के सिर पर बंदूक रखकर, या उनके यहां सेना भेजने की धमकी देकर खुद को शांति का मसीहा मनवाना क्या अमेरिकी जनता के सामूहिक विवेक को स्वीकार्य होगा? यदि स्वार्थ सिद्ध न होने पर दुनिया के सबसे ताकतवर देश का मुखिया ही अशांति को जन्म देने लगे, तो यह केवल वैश्विक संकट नहीं, बल्कि अमेरिका के लोकतांत्रिक मूल्यों की भी परीक्षा है। ऐसे समय में अमेरिकी समाज की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। लोकतंत्र में शक्ति का स्रोत जनता होती है, और वही शक्ति को मर्यादा में बांधती है। यदि नेतृत्व नैतिकता से भटकता है, तो उसे सबक सिखाना भी जनता का अधिकार और कर्तव्य है।

पाकिस्तान की हकीकत और भारत की चुनौती: बराबरी का भ्रम, ध्रुवीकृत राजनीति और बड़ी तस्वीर पर ध्यान देने की ज़रूरत

-आंकड़े बताते हैं फासला बढ़ रहा है, सवाल यह है कि भारत पाकिस्तान को कितनी अहमियत दे

भारत–पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा होते ही भावनाएं तेज हो जाती हैं। इतिहास, युद्ध, आतंकवाद, सीमा विवाद—सब कुछ एक साथ सामने आ जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या आज, 21वीं सदी के तीसरे दशक में, पाकिस्तान वास्तव में भारत की बराबरी कर सकता है? क्या हमें उसे उतनी ही अहमियत देनी चाहिए, जितनी हम अक्सर अपनी राजनीति और सार्वजनिक विमर्श में दे देते हैं? अगर ठंडे दिमाग से तथ्यों और रुझानों को देखें, तो जवाब साफ है—नहीं। पाकिस्तान न सैन्य शक्ति में, न अर्थव्यवस्था में, न तकनीक में, न 'सॉफ्ट पावर' में और न ही वैश्विक छवि में भारत के बराबर है। और यह फासला समय के साथ कम नहीं, बल्कि बढ़ता जा रहा है।

1983 के बाद बदला रास्ता

पाकिस्तान ने भारत के साथ प्रतिस्पर्धा का मौका बहुत पहले खो दिया था। 1980 के दशक की शुरुआत में, खासकर 1983 के बाद, उसने विकास, शिक्षा और उद्योग के रास्ते को छोड़कर 'हजार जख्म देने' की रणनीति अपनाई। जिया-उल-हक का दौर अफगान जिहाद की लहर पर सवार था। इस्लामी कट्टरता को राज्य-नीति का औजार बनाया गया। पंजाब में अशांति बढ़ी, आतंकवाद को प्रोत्साहन मिला और पड़ोसी के खिलाफ छद्म युद्ध को ही उपलब्धि समझा गया। इस नीति ने पाकिस्तान को ऐसे ढलान पर धकेल दिया, जहां से वापसी बेहद मुश्किल थी। इसके उलट भारत ने तमाम कठिनाइयों के बावजूद लोकतांत्रिक ढांचे, बहुलतावाद और आर्थिक सुधारों की राह नहीं छोड़ी। 1991 के सुधारों ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ा। समय के साथ आईटी, सेवाएं, स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग ने देश को नई पहचान दी। पाकिस्तान वहीं ठहर गया—या कहें, पीछे छूटता चला गया।

अर्थव्यवस्था: आंकड़े सच बोलते हैं

आज पाकिस्तान की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत की तुलना में लगभग 55 प्रतिशत के आसपास है और हर तिमाही में वह और पिछड़ता जा रहा है। उसकी आबादी भारत की आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा है, जबकि कुल जीडीपी भारत की कुल जीडीपी का सिर्फ 10 प्रतिशत। साक्षरता दर, औसत जीवनकाल, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य—हर पैमाने पर खाई बढ़ती जा रही है। हाल में पाकिस्तान के शेयर बाजार को लेकर थोड़ी सनसनी बनी। कराची स्टॉक एक्सचेंज दुनिया के तेजी से चढ़ते बाजारों में गिना गया, जबकि भारत के बाजार करीब 18 महीनों से स्थिर दिखे। लेकिन इस तुलना में बारीक सच छिपा है। लगातार चढ़ने के बाद भी केएसई की कुल बाजार पूंजी लगभग 70 अरब डॉलर है जो भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का महज 1.35 प्रतिशत है। भारत की सात कंपनियों का व्यक्तिगत मूल्य ही केएसई से अधिक है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य उससे साढ़े तीन गुना, एचडीएफसी, भारती एयरटेल और टीसीएस का दोगुना या उससे भी ज्यादा है। थोड़ा नीचे उतरें तो 14 भारतीय कंपनियों का मूल्य 50 अरब डॉलर से अधिक है। यह तुलना बताती है कि दोनों देश अलग-अलग लीग में खेल रहे हैं।

व्यापार और वैश्विक जुड़ाव

अमेरिका के साथ पाकिस्तान का व्यापार, अमेरिका–भारत व्यापार का दसवां हिस्सा भी नहीं है। चीन के साथ पाकिस्तान के रिश्तों को अक्सर 'ऑल-वेदर फ्रेंडशिप' कहा जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि पाकिस्तान चीन से लगभग 16 अरब डॉलर का आयात करता है, जिसमें 85 प्रतिशत हिस्सा हथियारों का है। भारत चीन से 116 अरब डॉलर का आयात करता है, और उसमें हथियारों का हिस्सा शून्य है। यह फर्क सिर्फ आंकड़ों का नहीं, सोच और प्राथमिकताओं का है। एविएशन सेक्टर में भी अंतर चौंकाने वाला है। पाकिस्तान की दो सबसे बड़ी एयरलाइंस—पीआईए और एयरब्लू—के पास कुल मिलाकर 44 विमान हैं। भारत की इंडिगो और एअर इंडिया के पास 700 से ज्यादा विमान हैं, और हर सप्ताह इस संख्या में इजाफा हो रहा है। यानी विमानों की संख्या में भारत पाकिस्तान से करीब 16 गुना आगे है। यह सिर्फ सुविधा नहीं, आर्थिक क्षमता और प्रबंधन का भी संकेत है।

कल्पनाओं का सहारा और 'गालिब' की पंक्ति

पाकिस्तान में अक्सर खरबों डॉलर के तेल और खनिज भंडार की बातें उछाली जाती हैं। हाल ही में उसके स्वयंभू फील्ड मार्शल ने दावा किया कि चूंकि पाकिस्तान मदीना के बाद दूसरा देश है जो इस्लामी कलमे पर बना, इसलिए उसकी जमीन के नीचे सऊदी अरब जैसा खजाना जरूर होगा। ऐसे दावे हकीकत से ज्यादा ख्वाब हैं। गालिब की पंक्ति याद आती है—'दिल के बहलाने को गालिब ये ख्याल अच्छा है।'

एकमात्र 'बढ़त': जनसंख्या

लब्ब-ओ-लुआब यह है कि पाकिस्तान भारत की बराबरी नहीं कर सकता और आगे चलकर यह फासला और बढ़ेगा। अगर किसी एक मामले में वह दूरी कम कर सकता है, तो वह है जनसंख्या। उसकी जनसंख्या वृद्धि दर भारत से लगभग दोगुनी है। लेकिन यह भी 'नकारात्मक बढ़त' है—बिना शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के बढ़ती आबादी बोझ बनती है, ताकत नहीं। पाकिस्तान का सत्ता-तंत्र यह सच्चाई जानता है। फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का 'डम्पर ट्रक बनाम चमकदार मर्सिडीज' वाला बयान इसी हताशा को दर्शाता है। वे यह भी समझते हैं कि भारत के साथ युद्ध तो दूर, किसी सीमित झड़प में भी जीत संभव नहीं। उनकी एकमात्र रणनीति भारत की रफ्तार में अड़ंगा लगाना है—आतंकवाद, अस्थिरता और शोर के जरिए।

भारत के लिए सबक: बड़ी तस्वीर

यहीं से भारत के लिए असली सवाल शुरू होता है। इस नकारात्मक बढ़त का मुकाबला कैसे किया जाए? इसका जवाब 'बड़ी तस्वीर' में है। क्या पिछले एक दशक में हमने पाकिस्तान को अपने दिमाग में जरूरत से ज्यादा अहमियत दे दी? क्या अपनी ध्रुवीकृत राजनीति में उसे इतना वजन दे दिया गया, जितना बुद्धिमानी भरा नहीं था? जनवरी 2016 में पठानकोट एयरबेस पर आतंकी हमले के बाद शांति की कोशिशें नाकाम हुईं। इसके बाद भाजपा की राजनीति हिंदू–मुस्लिम ध्रुवीकरण पर ज्यादा केंद्रित होती चली गई। यह सच है कि 'सबका साथ, सबका विकास' के तहत जनकल्याण योजनाएं चलाई गईं और पहचान के आधार पर लाभ से वंचित करने का दावा नहीं किया जा सकता। लेकिन भावनात्मक अपील का दायरा मुख्यतः हिंदू मतदाता तक सीमित रहा। और इसके लिए पाकिस्तान से खतरे का भाव बनाए रखना सियासी तौर पर उपयोगी साबित हुआ।

रणनीतिक जटिलताएं और बांग्लादेश

इस राजनीति ने भारत के रणनीतिक हितों को भी जटिल बनाया है। बांग्लादेश इसका ताजा उदाहरण है। जमात या मुहम्मद यूनुस पाकिस्तान के बारे में चाहे जो सोचें, भौगोलिक सच यह है कि बांग्लादेश तीन तरफ से भारत से घिरा है। अपरिहार्य जुड़ाव के कारण वह भारत का जरूरी और कहीं बड़ा पड़ोसी है। पश्चिम बंगाल और असम के चुनावों के मद्देनजर अगर ध्रुवीकृत राजनीति तेज होती है, तो भारत के लिए बांग्लादेश की नई सरकार से तालमेल बैठाना मुश्किल होगा। अगर ढाका ने प्रतीकात्मक तौर पर पाकिस्तान से नजदीकी भी बढ़ाई, तो वह दूरी और संसाधनों के कारण सीमित ही रहेगी। बांग्लादेश को अपनी राज्य-व्यवस्था और अर्थव्यवस्था संभालने के लिए भारत के सद्भाव की जरूरत पड़ेगी। इसलिए भावनात्मक राजनीति से आगे बढ़कर व्यावहारिक कूटनीति जरूरी है।

'सॉफ्ट पावर' या 'हार्ड पावर'?

इसी संदर्भ में मुस्तफिजुर रहमान (आईपीएल) जैसे मामलों को देखना चाहिए। आजकल 'सॉफ्ट पावर' शब्द आते ही कुछ लोग उत्तेजित हो जाते हैं। लेकिन उपमहाद्वीप में क्रिकेट जितनी अहमियत रखता है, वह भारत के लिए 'हार्ड पावर' जैसा है।

ट्रम्प की 'गैंग्स्टर साम्राज्यवाद' नीति और वैश्विक अस्थिरता: क्यों दुनिया को अब सामूहिक प्रतिरोध का रास्ता अपनाना होगा

-ताकत आधारित अमेरिकी भू-राजनीति, प्रभाव-क्षेत्रों की सोच और वैश्विक पूंजीवाद के भविष्य पर संकट

डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति और वैश्विक आर्थिक दृष्टि पहली नज़र में जितनी अव्यवस्थित और लेन-देन पर आधारित दिखती है, उतनी ही वह एक सुसंगत पैटर्न का पालन करती भी दिखाई देती है। यह पैटर्न शक्ति-प्रदर्शन, संसाधनों पर नियंत्रण और प्रभाव-क्षेत्रों की राजनीति पर टिका है। वेनेजुएला में मादुरो सरकार को अपदस्थ करने की कोशिशें, तेल भंडारों पर नियंत्रण की रणनीति, ग्रीनलैंड में रुचि और 'बैकयार्ड' की अवधारणा—ये सब उसी सोच की कड़ियां हैं। भारतीय अर्थशास्त्री प्रभात पटनायक ने इस रुख को सटीक तौर पर 'गैंग्स्टर साम्राज्यवाद' कहा है—एक ऐसी राजनीति जिसमें ताकत ही अधिकार बन जाती है और अंतरराष्ट्रीय शालीनता महज़ दिखावा रह जाती है।

'डोनरो डॉक्ट्रिन' और प्रभाव-क्षेत्रों की राजनीति

ट्रम्प की नीति का केंद्रीय विचार यह है कि अमेरिका अपने स्वघोषित 'प्रभाव-क्षेत्र' में जो चाहे कर सकता है। लैटिन अमेरिका को 'बैकयार्ड' मानने की सोच नई नहीं है, लेकिन ट्रम्प ने इसे बिना किसी कूटनीतिक आवरण के खुले तौर पर अपनाया। वेनेजुएला में कठपुतली सरकार बैठाने की कोशिशें इसी का उदाहरण हैं। इसका संदेश सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहता। जब अमेरिका यह दावा करता है कि वह अपने हितों के लिए कहीं भी हस्तक्षेप कर सकता है, तो इससे अन्य महाशक्तियों—खासतौर पर चीन—को भी यह नैतिक आधार मिल जाता है कि वे अपने क्षेत्र में वैसा ही करें। नतीजतन, दुनिया प्रभाव-क्षेत्रों में बंटने लगती है, जहां नियमों की जगह ताकत तय करती है।

'गैंग्स्टर साम्राज्यवाद': अवधारणा और अर्थ

प्रभात पटनायक का 'गैंग्स्टर साम्राज्यवाद' शब्द पूंजीवाद की औपनिवेशिक जड़ों की याद दिलाता है। औपनिवेशिक दौर में राज्यों और समाजों के बीच रिश्ते बराबरी पर नहीं, बल्कि ताकत के तराज़ू पर तौले जाते थे। आज उसी तर्क को नए सिरे से अपनाया जा रहा है—बस फर्क इतना है कि अब यह सब 'राष्ट्रीय हित' और 'सुरक्षा' की भाषा में किया जाता है। इस मॉडल में

अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और मानवाधिकार जैसे मूल्य बाधा माने जाते हैं। उन्हें या तो नजरअंदाज किया जाता है या जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल किया जाता है। संसाधनों की लूट, बाजारों पर कब्ज़ा और सैन्य दबदबा—सब कुछ जायज़ ठहराया जाता है, बशर्ते उससे ताकतवर को फायदा हो।

क्या यह रणनीति काम कर सकती है?

मूल सवाल यह है कि क्या दुनिया को बड़े-बड़े प्रभाव-क्षेत्रों में बांटना वास्तव में कामयाब हो सकता है? इतिहास इसके खिलाफ गवाही देता है। उन्नीसवीं सदी में ब्रिटेन ने औपनिवेशिक साम्राज्य खड़ा किया और वैश्विक व्यापार के नियम तय किए। उस दौर में पूंजीवाद को एक स्थिर ढांचा मिला, लेकिन वह स्थिरता उपनिवेशों की लूट पर टिकी थी। बीसवीं सदी के मध्य से अमेरिका ने वही भूमिका निभाई—ब्रेटन वुड्स संस्थाएं, डॉलर का प्रभुत्व और 'नियम-आधारित' अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था। लेकिन जैसे-जैसे नई शक्तियां उभरीं, खासकर चीन, यह व्यवस्था अस्थिर होने लगी। ट्रम्प का जवाब था—नियमों को ही किनारे कर देना। पर इतिहास बताता है कि प्रतिस्पर्धी महाशक्तियों के बीच बंटी दुनिया अक्सर टकराव, युद्ध और आर्थिक संकटों की ओर जाती है।

वैश्वीकरण, चीन और अमेरिकी चिंता

ट्रम्प की सोच इस धारणा पर टिकी है कि अमेरिकी नेतृत्व वाला वैश्वीकरण अब अमेरिका के लिए उतना फायदेमंद नहीं रहा। सस्ते श्रम और विशाल बाजार के दम पर चीन ने वैश्विक उत्पादन श्रृंखलाओं में केंद्रीय स्थान हासिल कर लिया। अमेरिकी उद्योगों के कुछ हिस्से कमजोर पड़े और घरेलू असंतोष बढ़ा। लेकिन इसका समाधान सैन्य दबदबे और संसाधनों पर कब्ज़े में ढूंढना समस्या को और गहरा करता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था आज आपस में गूंथी हुई है। आपूर्ति श्रृंखलाएं सीमाओं में बंद नहीं रहतीं। पूंजी, तकनीक और डेटा का प्रवाह रुकता है तो उसका असर सब पर पड़ता है—खुद अमेरिका पर भी।

अमेरिकी मजदूर और छोटे कारोबार: सबसे बड़ा नुकसान

विडंबना यह है कि ट्रम्प जिस नीति को 'अमेरिका फर्स्ट' कहते हैं, वही अमेरिकी मजदूरों और छोटे कारोबारों के लिए विनाशकारी साबित होती है। व्यापार युद्धों से कीमतें बढ़ती हैं, निर्यात घटता है और रोजगार पर दबाव पड़ता है। छोटे व्यवसाय, जो वैश्विक आपूर्ति पर निर्भर हैं, सबसे पहले प्रभावित होते हैं। आयात पर टैरिफ़ लगते हैं तो कच्चा माल महंगा होता है। नतीजतन, मुनाफा घटता है और नौकरियां खतरे में पड़ती हैं।

बड़े कॉर्पोरेट हित भी सुरक्षित नहीं

अक्सर यह माना जाता है कि यह रणनीति बड़ी अमेरिकी कंपनियों के हित में है। कुछ हद तक यह सच भी है—खासतौर पर सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स के लिए। यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्धों से हथियार उद्योग ने भारी मुनाफा कमाया है। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बड़ा हिस्सा इससे नुकसान उठाता है। जो कंपनियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर हैं, उन्हें अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। वित्तीय संस्थानों के लिए निर्बाध पूंजी प्रवाह जरूरी है, जो प्रभाव-क्षेत्रों में बंटी दुनिया में मुश्किल हो जाता है। बिग टेक कंपनियों का कारोबार भी खतरे में पड़ता है। उनका पूरा मॉडल दुनिया भर से डेटा तक पहुंच और खुले इंटरनेट पर टिका है। जब देश डिजिटल सीमाएं खड़ी करने लगते हैं, तो यह मॉडल चरमराने लगता है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग: विकल्प नहीं, जरूरत

आज की वैश्विक चुनौतियां—जलवायु परिवर्तन, महामारी, वित्तीय अस्थिरता—किसी एक देश के बूते की बात नहीं हैं। इनका समाधान सहयोग से ही निकल सकता है। ट्रम्प की मनमानी के मुकाबले सामूहिक कार्रवाई अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि एकमात्र रास्ता बन गई है। यूरोप, एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों को यह समझना होगा कि अल्पकालिक लाभ के लिए किसी महाशक्ति के प्रभाव-क्षेत्र में जाना दीर्घकाल में नुकसानदेह है। बहुपक्षीय संस्थाओं को मजबूत करना और नियम-आधारित व्यवस्था को बचाना सबके हित में है।

भारत के लिए सबक और अवसर

भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह दौर चुनौती और अवसर दोनों लेकर आता है।

भाषाओं के बीच दीवारें क्यों खड़ी की जा रही हैं जब हिंदी और उर्दू एक साझा विरासत हैं हमारी सभ्यता

-धर्म राजनीति और पहचान की लड़ाई में भाषा को बाँटने का खतरनाक खेल समाज आज

बीते दिनों जयपुर साहित्य समारोह में मशहूर शायर और गीतकार जावेद अख्तर ने भाषाओं की राजनीति पर जो बात कही, उसने एक बार फिर हिंदी और उर्दू के रिश्ते पर सोचने के लिए मजबूर किया है। उनका यह कहना कि भाषाओं को धार्मिक आधार पर नहीं बांटा जा सकता, अपने आप में एक ज़रूरी और वक़्त की मांग वाला बयान है। भाषा किसी मज़हब की जागीर नहीं होती, वह समाज की साझा विरासत होती है। हालांकि, जावेद अख्तर से जुड़ा एक बयान यह भी सामने आया कि उर्दू की वजह से भारत का बंटवारा हुआ और पाकिस्तान बना। यह बात अपने आप में एक सरलीकरण लगती है, क्योंकि भारत-विभाजन कोई एक वजह या एक भाषा का नतीजा नहीं था। यह एक जटिल राजनीतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया थी, जिसमें साम्प्रदायिक राजनीति, औपनिवेशिक नीतियां, सत्ता की महत्वाकांक्षा और आपसी अविश्वास जैसी कई परतें शामिल थीं।

विभाजन और भाषा: एक जटिल सच

अगर इतिहास की ओर देखें तो साफ़ पता चलता है कि उर्दू को भारत विभाजन का जिम्मेदार ठहराना न तो तथ्यात्मक रूप से सही है और न ही बौद्धिक रूप से ईमानदार। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की किताब की भूमिका लिखते हुए 'भारत विभाजन के गुनहगार' नाम से जो बहस छेड़ी थी, उसमें उन्होंने आठ गुनहगारों का ज़िक्र किया, लेकिन उनमें उर्दू भाषा का नाम कहीं नहीं था। यह भी याद रखना ज़रूरी है कि उस दौर में जब साम्प्रदायिक राजनीति तेज़ हो रही थी, तब हर तरह के विभाजनकारी औज़ार इस्तेमाल किए जा रहे थे। भाषा भी उन्हीं औज़ारों में से एक बन गई। उर्दू के बड़े शायर और विचारक इक़बाल को पाकिस्तान के विचार का जनक कहा जाता है, लेकिन यह सच भी उतना ही अहम है कि उन्होंने 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' जैसी नज़्म लिखी थी, जो आज भी साझा संस्कृति की मिसाल मानी जाती है। इसलिए, अगर जावेद अख्तर का आशय यह था कि हिंदी-उर्दू को बांटने वाली राजनीति भी विभाजन की एक वजह बनी, तो इस बात में काफी हद तक सच्चाई है। मगर सवाल यह है कि क्या आज हम उस राजनीति से बाहर निकल पाए हैं?

क्या हम सच में भाषा को धर्म से अलग कर पाए हैं?

सैद्धांतिक रूप से तो हम सब यह मानते हैं कि भाषा का कोई धर्म नहीं होता। लेकिन व्यवहार में देखें तो हिंदी और उर्दू के साथ हमारा रवैया बिल्कुल उल्टा दिखाई देता है। असलियत यह है कि हिंदी और उर्दू सगी बहनों की तरह हैं। इतिहास में उर्दू को कभी हिंदवी कहा गया, कभी हिंदी, और हिंदी को भी लंबे समय तक हिंदुस्तानी बनाने की कोशिशें होती रहीं। इसके बावजूद, हमारे अवचेतन में ये दोनों भाषाएं अलग-अलग धार्मिक पहचान की प्रतीक बनती चली गईं। हिंदी को हिंदुओं की भाषा और उर्दू को मुसलमानों की भाषा मान लिया गया। यही वह मानसिक दीवार है, जो सबसे ज़्यादा नुकसानदेह साबित हुई है।

सिनेमा और भाषा का साम्प्रदायिकीकरण

इस मानसिकता को समझने के लिए हिंदी सिनेमा एक अच्छा उदाहरण पेश करता है। फिल्मों में अक्सर देखा जाता है कि अगर राजा मुसलमान होता है तो उसे 'बादशाह' कहा जाता है और अगर हिंदू होता है तो 'सम्राट'। अकबर अगर संवाद बोलते हैं तो वे उर्दूनिष्ठ हिंदी में बात करते हैं और महाराणा प्रताप अगर संवाद बोलते हैं तो संस्कृतनिष्ठ हिंदी में। हकीकत यह है कि मध्यकाल में न अकबर वैसी उर्दू बोलते थे और न महाराणा प्रताप वैसी संस्कृतनिष्ठ हिंदी, जैसी हमें फिल्मों में सुनाई जाती है। यह सब हमारे सामूहिक अवचेतन की उपज है, जिसमें भाषा को धर्म के खांचे में फिट कर दिया गया है। यह सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि समाज के भीतर बैठी धारणाओं को भी मज़बूत करता है। जब बार-बार एक ही तरह की भाषा-छवियां दोहराई जाती हैं, तो वे सच की तरह स्वीकार कर ली जाती हैं।

साहित्य में भी दिखती है यह दरार

यह मान लेना आसान होगा कि भाषा का साम्प्रदायिकीकरण सिर्फ आम लोगों या फिल्मों तक सीमित है। लेकिन अफ़सोस की बात यह है कि यह प्रवृत्ति साहित्य जैसे गंभीर क्षेत्र में भी दिखाई देती है। प्रसिद्ध कवि विष्णु खरे की कविता 'गुंग महल' इसका एक दर्दनाक उदाहरण है। इस कविता में जब ईश्वर की भाषा को लेकर बहस होती है, तो पंडित संस्कृत के पक्ष में तत्समनिष्ठ हिंदी में तर्क देते हैं और मौलवी अरबी को अल्लाह की जुबान बताते हुए उर्दू का सहारा लेते हैं। सवाल यह है कि क्या विष्णु खरे जैसे सजग और प्रखर कवि भी जाने-अनजाने भाषा में भर दी गई साम्प्रदायिकता का शिकार हो गए?

यह सवाल किसी एक कवि या एक रचना तक सीमित नहीं है। यह हमारी सामूहिक बौद्धिक चूक की ओर इशारा करता है, जहां हम भाषा के चुनाव में भी धार्मिक पहचान खोजने लगते हैं।

'शुद्धता' के नाम पर किया जा रहा अन्याय

हिंदी की शुद्धता के नाम पर अरबी-फ़ारसी शब्दों से परहेज़ करने की जो मांग उठती रहती है, वह दरअसल हिंदी के इतिहास और उसकी स्वाभाविक बनावट—दोनों के साथ नाइंसाफ़ी है। हिंदी कोई बंद कमरे में पैदा हुई भाषा नहीं है। यह सदियों के मेल-जोल, आवाजाही और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का नतीजा है। हम जिस भाषा का रोज़मर्रा में इस्तेमाल करते हैं, वह अपने मूल में उर्दू के बेहद क़रीब है। यही हमारी स्वाभाविक जुबान है।

राजस्थान डिस्कॉम्स को मिला गोल्ड अवॉर्ड: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डिस्कॉम्स की उपलब्धि पर व्यक्त की प्रसन्नता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में लिए गए फैसलों से राजस्थान इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। दिल्ली में आयोजित हुए ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक सम्मान समारोह में राजस्थान डिस्कॉम्स को केन्द्रीय विद्त मंत्री मनोहर लाल ने पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेन्ट-सी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया। राजस्थान डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बुधवार शाम यह अवार्ड मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजस्थान डिस्कॉम्स के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में किसानों को सौर ऊर्जा और सोलर पंप से सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देकर उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस उपलब्धि से वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने के हमारे संकल्प को और मजबूती मिलेगी।

पीएम-कुसुम योजना में शानदार प्रदर्शन: राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय विद्त मंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम योजना) के कम्पोनेंट-सी में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। राजस्थान डिस्कॉम्स की अध्यक्ष सुश्री आरती डोगरा ने दिल्ली के स्कोप ऑडिटोरियम में बुधवार को आयोजित ऑल इण्डिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक सम्मान समारोह में यह पुरस्कार ग्रहण किया। समारोह में केन्द्रीय विद्त मंत्री ने राजस्थान डिस्कॉम्स को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि देश के कृषि क्षेत्र को सौर ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में पीएम-कुसुम योजना भारत सरकार का महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विगत दो वर्ष में राजस्थान इस योजना में अग्रणी बनकर उभरा है। राज्य में कम्पोनेन्ट-ए एवं कम्पोनेन्ट-सी में 2877 मेगावॉट के कुल 1307 विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने बताया कि कुसुम कम्पोनेन्ट-सी के अन्तर्गत फीडर लेवल सोलराइजेशन में भी राजस्थान डिस्कॉम्स देश में अग्रणी है। इसके अन्तर्गत प्रदेश में 2333 मेगावॉट क्षमता के 899 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। जिनसे 1 लाख़ 41 हजार 589 किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली मिल रही है। इस वर्ष के अंत तक कम्पोनेन्ट-सी में 5018 मेगावॉट के 1997 प्लांट स्थापित कराने का लक्ष्य है जिससे 3 लाख 62 हजार 197 कृषकों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा सकेगा। समारोह में भारत सरकार के विद्त मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल, केन्द्रीय विद्त मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, ऑल इण्डिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के महानिदेशक आलोक कुमार, अध्यक्ष लोकेश चन्द्रा सहित देश के विभिन्न राज्यों के विद्त वितरण निगमों के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई:-

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने इस उपलब्धि के लिए जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्त वितरण प्रबंधन एवं डिस्कॉम्स के सभी कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान एनर्जी सरप्लस स्टेट बनने की ओर अग्रसर है। यह सम्मान भी इसी दिशा में एक कड़ी है।

मुस्लिम तेली घाणी महापंचायत के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 17 जोड़े बने हमसफर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के रामगढ़ मोड़ स्थित करबला मैदान में बुधवार को 'मुस्लिम तेली घाणी महापंचायत संस्था' के तत्वाधान में एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सामाजिक सरोकार और फिजूलखर्ची को रोकने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए 17 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे।

धूमधाम से संपन्न हुई रस्में:-

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह से ही हर्षोल्लास के साथ हुई। निकाह की रस्में पूरी गरिमा और सादगी के साथ अदा की गईं। करबला मैदान में बने विशाल पाण्डाल में हजारों की संख्या में समाज के लोग इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। निकाह के बाद उलेमाओं ने नवविवाहित जोड़ों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया और समाज में सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा देने की अपील की।

दहेज के रूप में दिया गया आवश्यक सामान:-

मुस्लिम तेली घाणी महापंचायत संस्था की ओर से सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए सभी 17 जोड़ों को गृहस्थी का आवश्यक सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि जोड़ों को वे सभी वस्तुएं दी गई हैं, जो एक नए घर को बसाने के लिए जरूरी होती हैं। इसका उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ को कम करना है।

प्रदेशभर से पहुंचे लोग:-

समता आन्दोलन समिति के ओबीसी (OBC) प्रकोष्ठ के प्रान्तीय महासचिव कमरूद्दीन ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में केवल जयपुर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राजस्थान राज्य से परिवार अपने बच्चों के विवाह के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह आज के समय की मांग है, जिससे न केवल आर्थिक बचत होती है, बल्कि समाज में एकजुटता और भाईचारा भी बढ़ता है।

सामाजिक एकजुटता का प्रतीक :-

सम्मेलन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर स्वयंसेवक के रूप में भूमिका निभाई। कार्यक्रम में कई गणमान्य नागरिक, समाज सुधारक और जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए, जिन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना की। उपस्थित वक्ताओं ने जोर दिया कि ऐसे आयोजनों से समाज के गरीब तबके को संबल मिलता है और शादियों में होने वाले भारी खर्च पर लगाम लगती है।

संस्था का संकल्प :-

मुस्लिम तेली घाणी महापंचायत संस्था के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने इस अवसर पर समाज को शिक्षित और संगठित करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा ताकि समाज का हर व्यक्ति सम्मान के साथ अपने बच्चों का विवाह संपन्न करा सके। शाम को विदाई के वक्त माहौल भावुक हो गया। सभी 17 जोड़ों को समाज के बुजुर्गों और उपस्थित जनसमूह ने दुआओं के साथ विदा किया। यह आयोजन जयपुर में मुस्लिम समाज के लिए एकता और सामाजिक सुधार की एक मिसाल बनकर उभरा है।

हवामहल विधायक ने सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर से एक सकारात्मक और सामाजिक सरोकार से जुड़ी खबर सामने आई, हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने सांवलिया सेठ विकास सेवा समिति जयसिंहपुरा खोर (हिंदू सर्व समाज) द्वारा आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया। यह सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 जनवरी को जयसिंहपुरा खोर स्थित पटेल गार्डन में आयोजित किया जाएगा, जहां 21 बेटे-बेटियों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। सामाजिक एकता और सहयोग का संदेश देने वाला यह आयोजन क्षेत्र में सराहना का विषय बना हुआ है।

सेंट सोल्जर पीजी कॉलेज में एनएसएस सात दिवसीय विशेष शिविर का भव्य शुभारंभ

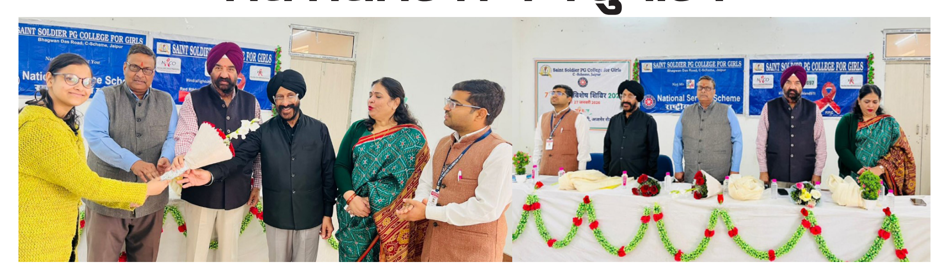

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम की रिपोर्ट 21 जनवरी 2026 को सेंट सोल्जर पीजी कॉलेज फॉर गर्ल्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सेवा, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। उद्घाटन समारोह की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई, तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन किया गया, जिससे कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इसके बाद एनएसएस गीत का सामूहिक गायन किया गया, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान किया गया। कॉलेज की प्रिंसिपल महोदया ने स्वागत भाषण देते हुए एनएसएस शिविर के महत्व एवं इसके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। इसके बाद कोषाध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह सर, अध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, दिनेश गुप्ता सर ने अपने-अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, अनुशासन तथा सेवा भावना पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी नेमी चन्द्र कायथ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेविकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन प्रिंसिपल डॉ. अनुपमा शर्मा एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी नेमी चन्द्र कायथ के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

आयुष विभाग की योजनाओं की समीक्षा, चिकित्सालयों के नियमित निरीक्षण के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने आयुष विभाग के कार्यों की प्रभावी निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने, अधिकारियों द्वारा आयुष चिकित्सालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करने व प्रत्येक निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष विभाग (आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी) के माध्यम से राज्यभर में विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में संचालित सभी आयुष चिकित्सालयों की मासिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से समय पर प्रस्तुत की जाए, जिसमें विभागवार विवरण एवं प्रत्येक चिकित्सालय द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी शामिल हो। उन्होंने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) जयपुर एवं डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के मध्य फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम किया जाए, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के ज्ञान और अनुभव में वृद्धि हो सके। इसके साथ ही दोनों संस्थानों के बीच कार्यशाला, संयुक्त शोध पत्र एवं एमओयू के निर्देश भी दिए गए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को विभागवार वार्षिक कार्यशाला कैलेंडर मार्च माह से पूर्व प्रस्तुत करने, प्रत्येक चिकित्सालय की कार्य प्रगति सम्बन्धी जानकारी एवं उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं के समुचित डॉक्यूमेंटेशन, सफलता की कहानियों के माध्यम से आमजन में जागरूकता फ़ैलाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बैठक में विभाग के बजट व्यय की जानकारी लेते हुए प्रदेश में आयुष सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में चर्चा की। इससे पहले आयुष विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने विभाग की कार्यप्रणाली एवं प्रगति के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरु डॉ.गोविन्द सहाय शुक्ला, एनआईए, जयपुर के कुलगुरु डॉ. संजीव शर्मा, आयुर्वेद निदेशक डॉ. आनंद शर्मा, उप शासन सचिव आयुर्वेद इन्द्रजीत सिंह, होम्योपैथी निदेशक डॉ. मनीषा सक्सेना, यूनानी उप निदेशक डॉ. हनुमान प्रसाद सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर में 27 से 30 जनवरी तक होगा APJ MPL क्रिकेट टूर्नामेंट

-आयोजन से पहले ट्रॉफी बनी आकर्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एपीजे अब्दुल कलाम क्रिकेट टूर्नामेंट, महावतान प्रीमियर क्रिकेट लीग (APJ MPL) का आयोजन 27, 28, 29 और 30 जनवरी 2026 को बारवाल क्रिकेट ग्राउंड, गोनेर रोड, लूनियावास, जयपुर में प्रस्तावित है। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में अभी से खासा उत्साह देखा जा रहा है। टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान, आदर्श नगर विधायक रफीक खान मौजूद रहेंगे। आयोजन की जिम्मेदारी समीर खान, जयपुर जिला उपाध्यक्ष (खेल प्रकोष्ठ) कांग्रेस द्वारा संभाली जा रही है। इस आयोजन से पहले रविवार को टूर्नामेंट के प्रचार के तहत वर्ल्ड कप ट्रॉफी का फोटोशूट जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों जल महल, आमेर और नाहरगढ़ में किया गया। इस फोटोशूट का उद्देश्य युवाओं और खेल प्रेमियों में टूर्नामेंट को लेकर जागरूकता बढ़ाना और क्रिकेट के प्रति उत्साह को और मजबूत करना रहा। इस आयोजन के सफल संचालन के लिए आयोजक टीम में एम.ए. समीर खान, आज़म खान, फिरोज खान, अजरुद्दीन सरपू, सादिक खान, शाहिद हाजी, मोहम्मद जावेद, पपन, इमरान खान, इम्मी नासिर हाजी, मो. अनवर इदरीस, मोहम्मद रिज़वान, अफसर, नेता हसीन, मोहसिन खान, मामा, बासित पटेल, इमरान चाचा अज़ीज़, वसीम पटेल, मोइन खान, अकील अंसारी और अकील डीजे सहित कई सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। आयोजकों के अनुसार APJ MPL का मकसद स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर मंच देना, युवाओं को खेल से जोड़ना और जयपुर में क्रिकेट को नई पहचान देना है। टूर्नामेंट के दौरान रोमांचक मुकाबलों के साथ बड़ी संख्या में दर्शकों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

1.75 लाख रुपये की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, स्विफ्ट कार जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सी.एस.टी. पुलिस आयुक्तालय, जयपुर ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.75 लाख रुपये कीमत की स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 33.85 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और एक स्विफ्ट कार (RJ 14 CH 1131) जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त जयपुर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में, विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स) राहुल प्रकाश के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त अपराध अभिजीत सिंह के सुपरविजन में सी.एस.टी. आयुक्तालय की टीम द्वारा की गई। टीम ने पुलिस थाना भांकरोटा के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए तस्करों को दबोचा। पुलिस को सूचना मिली थी कि भांकरोटा क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हस्मुद्दीन खान उर्फ सत्तु (22) निवासी गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती, धावास और लक्ष्मण केवट (25) निवासी समस्तीपुर, बिहार हाल निवासी घावास, जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास स्मैक रखने या तस्करी का कोई वैध लाइसेंस नहीं पाया गया। इस संबंध में पुलिस थाना भांकरोटा, जयपुर पश्चिम में प्रकरण संख्या 27/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व 111(2)(बी) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों से आगे पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क की कड़ियों को खंगाल रही है।

अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ निगम की सख्त कार्रवाई

-7,500 कैरिंग चार्ज वसूला; 7 केंटर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़ से नगर निगम कार्यालय तक, ट्रोमा के दोनो तरफ, एसएमएस के गेंट नं. 2 व 3 के सामने, मानसरोवर इण्ड्रस्ट्रीज एरिया के पास व एच.सी.जी अस्पताल वी.टी रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 7 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 7 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड़ से नगर निगम कार्यालय तक, ट्रोमा के दोनो तरफ, एसएमएस के गेंट नं. 2 व 3 के सामने, मानसरोवर इण्ड्रस्ट्रीज एरिया के पास व एच.सी.जी अस्पताल वी.टी रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 7 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 7 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

डिस्टर्ब एरियाज बिल 2026 असंवैधानिक और राजनीतिक एजेंडा से प्रेरित - डोटासरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की भाजपा सरकार ने कैबिनेट बैठक में डिस्टर्ब एरियाज बिल 2026 के प्रारूप को मंजूरी दी है, जो भाजपा के राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए है, इस बिल की भाषा ही संवैधानिक नहीं है, केवल राजनीतिक एजेंडा की भाषा है। सरकार ने केन्द्र से आई हुई गुजरात की पर्ची प्राप्त कर, यह बिल बनाया है, गुजरात मॉडल के रूप में यह बिल आया है जिसका उद्देश्य दंगा रोकना नहीं बल्कि राजस्थान जैसे शांत प्रदेश को अशांत करने की एक साजिश है। इस बिल की भाषा प्रदेश में केवल अशांति पैदा करने के लिए है, जिससे जनता के मुद्दे पर चर्चा ना हो और प्रदेश में डर का माहौल बने। लोगों का ध्यान भटकाने के लिये यह बिल लाया गया है और सरकारी गुंडागर्दी को वैधानिक जामा पहनाने की एक कोशिश है। पहले सरकार किसी क्षेत्र को अशांत क्षेत्र घोषित करेगी, फिर शहर को करेंगे, उसके बाद पूरे प्रदेश को अशांत बनाएंगे, जबकि शांति बहाली के लिए पहले से ही कानून है, अधिकारी राज लाकर भाजपा की प्रदेश सरकार लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है। इस प्रकार का बिल पूर्ण रूप से संविधान का उल्लंघन है, संविधान के अनुच्छेद 300ए में हर व्यक्ति को अपनी संपत्ति पर अधिकार है, उसे वंचित करने का यह षड्यंत्र है, संविधान में अनुच्छेद 14 में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्राप्त है, यह बिल उसका भी उल्लंघन करता है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत यह बिल नागरिकों के अधिकारों के विरुद्ध लाया गया है, जबकि शांति बहाली के लिए पूर्व से ही आईपीसी जो अब bns है तथा सीआरपीसी जो अब bnss है में अनेक प्रावधान है। जनसंख्या असंतुलन कोई कानूनी शब्द नहीं है, डिस्टर्ब एरिया किस आधार पर घोषित होगा इसका कोई उल्लेख नहीं है, केवल भाजपा का राजनीतिक एजेंडा है, उसे आगे बढ़ाने के लिए यह कानून लाया गया है और सांप्रदायिक सद्भाव प्रदेश का खत्म कर गुजरात की तरह यहां भी डर का माहौल बनाकर भाजपा सत्ता में बने रहना चाहती है। लोग मूलभूत अधिकारों और सरकार की नाकामियों पर चर्चा ना करें, उससे ध्यान भटकाने हेतु यह बिल लाया गया है। उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आज पीसीसी वार रूम जयपुर पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। डोटासरा ने कहा कि भाजपा कानून-व्यवस्था कायम रखने में नाकाम रही है और अब प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक एकरूपता को खंडित करने के लिए अपने एजेंडे के तहत् गुजरात मॉडल के आधार पर केन्द्र से प्राप्त पर्ची पढ़कर यह बिल लाई है, जबकि देश भर में सबसे शांत कहे जाने वाले राजस्थान प्रदेश में जहां सभी आपसी सौहार्द के साथ रहते हैं, विभाजन करने का उद्देश्य भाजपा का है। प्रदेश में जनप्रतिनिधियों से ऊपर अधिकारियों को अधिकार देना चाहती है, जो लोकतंत्र की परंपराओं और सिद्धांतों के विपरीत है। इस बिल के पश्चात प्रदेश में निवेश करने वाले दूर हटेंगे, प्रदेश का विकास रूकेगा, व्यापार घटेगा, लोगों के जमीनों के दाम घटेंगे और समाज में बांटने का काम भाजपा करेगी। प्रदेश का सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ेगा और जो सक्षम अधिकारी हैं वह असीमित अधिकारों के साथ आम नागरिकों के मूलभूत संवैधानिक अधिकारों का हनन करेंगे। कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा सत्र में भाजपा के इस संविधान के प्रावधानों के विपरीत बनाए गए बिल का पुरजोर विरोध कर भाजपा सरकार की नाकामियों को एक्सपोज करेगी और जनता के अधिकारों के लिए सदन से सड़क तक की लड़ाई लड़ेगी।

किसान को मिलेगी मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की पांचवीं किश्त की सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत किसानों को लाभान्वित करने हेतु पांचवीं किश्त का हस्तांतरण एवं ग्राम उत्थान शिविर के संबंध में दिनांक 22 जनवरी 2026 को दोपहर 11.30 बजे अरविन्द पैवेलियन स्टेडियम, जिला सिरोही में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। इस अवसर पर प्रदेशभर के किसानों को योजना की पांचवीं किश्त का लाभ प्रदान किया जाएगा। राज्य स्तरीय समारोह के साथ-साथ इसी दिन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के साथ ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ा जा सके। इसी क्रम में जयपुर जिले का जिला स्तरीय किसान सम्मेलन दिनांक 22 जनवरी 2026 को दोपहर 11.30 बजे हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा), जयपुर के सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं प्रभावी समन्वय के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसके तहत मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर शहर उत्तर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि दिनेश शर्मा, प्रबंध निदेशक, केंद्रीय सहकारी बैंक जयपुर एवं हरलाल सिंह बिजानिया, उपनिदेशक, उद्यानिकी विभाग जयपुर को सह-नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। सरस्वती महाविद्यालय में बुधवार को एन एस एस कैंप के समापन पर बालिकाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं उनसे जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित चिकित्सक डॉ. सोनिया चुग (एसिस्टेंट प्रोफेसर माइक्रोबायोलॉजी) राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय श्रीगंगानगर ने बालिकाओं को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। डॉ. चुग ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, मासिक धर्म, स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। आप ने महिलाओं में होने वाली कैंसर की पहचान कैसे की जा सकती है व समय पर डायग्नोज करवा कर आने वाली विकट स्थिति से बचा जा सकता है।उन्होंने बताया कि सही जानकारी एवं समय पर उपचार से अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। सेमिनार के दौरान बालिकाओं ने अपनी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका चिकित्सक द्वारा सरल एवं व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के अंत में संस्था सह - प्रबंधन (अकादमिक)लेफ्टिनेंट अन्नपूर्णा न्यौल द्वारा चिकित्सक का आभार व्यक्त किया गया। एन एस एस इकाई प्रभारी श्रीमति प्रमिला बिश्नोई द्वारा सभी छात्राओं को अपने परिवार के साथ साथ आसपास के परिवारों को इन जानकारियों को साझा करने व एवेयरनेस फैलाने की शपथ दिलाई गई ।इस अवसर पर शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

आंगनबाड़ी केन्द्रो के बच्चों को ऊनी जर्सियाँ बांटी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। एहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा आदर्श नगर, बजरिया के दो आंगनबाड़ी केन्द्रो के 35 जरूरतमंद बच्चों को ऊनी जर्सियाँ वितरित की गईं। जर्सियाँ प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया ने बताया कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान करने के उद्दे श्य से गर्म कंबल एवं स्वेटर वितरण का कार्य निरंतर जारी रहेगा। संस्था का यह प्रयास बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया, जावेद अनवर, मधुसूदन गर्ग, अनिल कुमार सक्सेना, राजेश सिंघल, नीलेश जैन, श्रीमती ममता, श्रीमती प्रीति बाला इत्यादि उपस्थित रहे।

किकरवाली सीनियर स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला आयोजित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत किकरवाली सीनियर सैकेंण्डरी स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकगण और अभिभावक भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विक्रम ज्याणी ने कहा नशा कोई आदत नहीं, पहचान छीन लेने वाली बीमारी है और इससे दूर रहने का फैसला आज करना ही सच्ची जीत है। भावनात्मक और तर्कपूर्ण उदाहरणों के माध्यम से बताया कि नशा कैसे सपनों को धीरे-धीरे खा जाता है, परिवार की उम्मीदों को तोड़ता है और समाज से व्यक्ति को अलग कर देता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अम्बरीश कुमार ने कहा यह कार्यशाला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक चेतना का आह्वान है क्योंकि भविष्य वही बनाता है, जो नशे के साथ न बह जाए, भविष्य वही बनाता है जो सही फैसला सही समय पर ले। विद्यार्थियों ने सामूहिक संकल्प लिया कि हम नशे से दूर रहेंगे, अपने मित्रों को भी दूर रखेंगे और अपनी पहचान मेहनत, चरित्र और सेवा से बनाएंगे।

मोहब्बतपुरा में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, 117 मरीजों की जांच; 26 का मोतियाबिंद ऑपरेशन चयनित

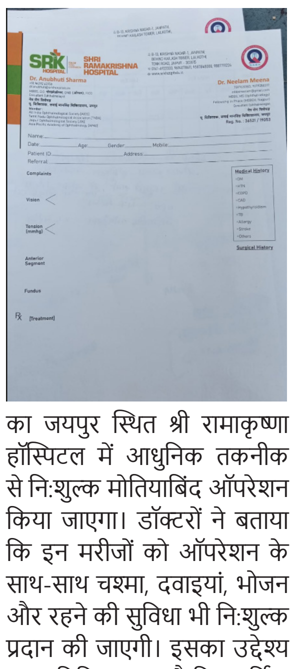

माधोराजपुरा (रॉयल पत्रिका)। माधोराजपुरा उपखण्ड की ग्राम पंचायत मोहब्बतपुरा के लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में एक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्री रामाकृष्णा हॉस्पिटल और जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। शिविर में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुभूति शर्मा और डॉ. नीलम मीणा की टीम ने कुल 117 मरीजों की जांच की। इस दौरान 26 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया, जिन्हें ऑपरेशन के लिए चुना गया है। चयनित सभी 26 मरीजों का जयपुर स्थित श्री रामाकृष्णा हॉस्पिटल में आधुनिक तकनीक से नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। डॉक्टरों ने बताया कि इन मरीजों को ऑपरेशन के साथ-साथ चश्मा, दवाइयां, भोजन और रहने की सुविधा भी नि:शुल्क प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी मरीज इलाज से वंचित न रहे। शिविर में मरीजों के ब्लड प्रेशर और शुगर की भी जांच की गई, ताकि उनकी संपूर्ण स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया जा सके। इस दौरान ग्रामीणों को आंखों की देखभाल के महत्व और समय-समय पर जांच कराने की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी दी गई। डॉक्टरों ने बताया कि शुरुआती लक्षणों में बीमारी का पता चलने पर इलाज आसान हो जाता है। इस पहल को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखा गया और उन्होंने इसे सराहनीय बताया। नवरत्न माहेश्वरी के बताया कि- ऐसे नि:शुल्क शिविर गरीब और बुजुर्ग लोगों के लिए बहुत लाभकारी हैं, क्योंकि आर्थिक कारणों से निजी अस्पतालों में इलाज न करवा पाने वाले मरीजों को इन शिविरों से नई रोशनी मिलने की उम्मीद जगी है।

खोथांवाली बस स्टैंड: जनता की सुरक्षा दांव पर, प्रशासनिक ज़िद क्यों भारी?

विनोद सोखल

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम खोथांवाली में प्रस्तावित नए बस स्टैंड को लेकर अब सवाल सिर्फ स्थान का नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता और पक्षपातपूर्ण निर्णयों का बन गया है। दस्तावेज़ों और ग्रामीणों की आपत्तियों के बावजूद प्रशासन द्वारा बस स्टैंड को गांव से बाहर, अंधेरे और असुरक्षित क्षेत्र में बनाने पर अड़े रहना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रशासन की प्रगति समीक्षा रिपोर्ट में भले ही सड़क सुरक्षा का हवाला देकर बस स्टैंड को चेनज 46.00 पर बनाए जाने का निर्णय दर्ज किया गया हो, लेकिन सवाल यह है कि जब ग्रामीणों ने गांव के भीतर भूमि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया, तो उसे गंभीरता से क्यों नहीं लिया गया? क्या सुरक्षा केवल कागज़ों तक सीमित है? ग्रामीणों का आरोप है कि गांव से बाहर बस स्टैंड बनाए जाने से छोटे बच्चों, छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। रोज़ाना कई किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर ग्रामीणों के लिए यह फैसला किसी सजा से कम नहीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बार-बार शिकायतों और जिला प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद, कुछ प्रभावशाली लोगों की दुकानों, मकानों और निजी हितों को बचाने के लिए पूरे गांव की सुविधा की बलि दी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर बस स्टैंड पुराने स्थान पर बनाया गया, तो अवैध कब्जे हटेंगे और यही बात कुछ लोगों को नागवार गुजर रही है।

प्रश्न यह भी उठता है कि –

क्या प्रशासन ने वास्तव में मौके पर जाकर स्थिति का निष्पक्ष निरीक्षण किया?

क्या सड़क सुरक्षा का तर्क सिर्फ बहाना बनाकर राजनीतिक दबाव में फैसला थोपा जा रहा है?

क्या सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने की हिम्मत प्रशासन में नहीं बची?

ग्रामीणों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि पुराने बस स्टैंड की जगह पर ही नए बस स्टैंड का निर्माण नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि सरकारी बजट का दुरुपयोग कर गांव से दूर बस स्टैंड बनाना जनहित नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है। अब यह देखना अहम होगा कि जिला प्रशासन जनता की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देता है या फिर कुछ खास लोगों के हितों के आगे झुककर लोकतांत्रिक आवाज़ को दबाता रहता है।

जोधपुर के चैनपुर स्टेडियम में चूरू के बच्चों ने मचाया तहलका

-चूरू टेबल टेनिस में चमकते सितारे: फैजान खान,हिमांशु राठौड़, जीशान, समद

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से 70 वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस चैम्पियन शिप में, चूरू के 15 वर्षीय सैजान खान और 13 वर्षीय हिमांशु राठौड़ ने जोधपुर के चैनपुर स्टेडियम में उस वक्त तहलका मचा दिया, जब फाइनल मुकाबले में, 15 वर्षीय बालक वर्ग में, जयपुर जैसी सशक्त और मजबूत टीम को, जीशान और अब्दुल समद के साथ, शिकस्त देते हुए, गोल्ड मेडल पर कब्जा कर लिया। और राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में चूरू को आकर्षण का केन्द्र बना दिया। यह प्रतियोगिता जोधपुर में 15 से 20 जनवरी के बीच संपन्न हुई। चूरू के टेबल टेनिस स्टार यहीं पर नहीं रुके, बल्कि 17 वर्षीय, 19 वर्षीय और पुरुष वर्ग में भी अपनी धाक दिखाते हुए, हिमांशु, सैजान, आदित्य और जीशान ने पुरुष वर्ग में कांस्य पदक, तो 19 वर्षीय में सिल्वर मेडल जीत लिया। वहीं बालिका 13 वर्षीय वर्ग में, गरिमा ने भी कांस्य पदक जीत लिया। गुजरात के, गांधी धाम में आयोजित होने वाली भावी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए, सैजान खान का चयन हो जाने पर, साई के वरिष्ठ कोच रमेश पुनिया ने खुशी का इजहार किया और हिमांशु राठौड़, सैजान खान, जीशान, आदित्य, अब्दुल समद व गरिमा के उज्जवल भविष्य की कामना की है। सैजान के दादा रि. प्रिन्सिपल नज़ीर मोहम्मद खान ही बच्चों के मुख्य कोच हैं। ऐसी जानकारी शौकत अली खान झारिया से प्राप्त हुई है।

शाबान की चाँद रात पर दीवाना शाह की दरगाह में गूंजे 'मेहमानाने दीवाना पिया' के नारे

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर शाबान माह की चाँद रात के मौके मंगलवार सांयकाल चाँद के दीदार करते ही मेहमानाने दीवाना पिया के नारो से गूंजा दरगाह परिसर। दरगाह ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार मंगलवार को चन्द्र दर्शन के मौके पर सुबह से ही जायरीने दीवाना की आवक शुरू हो गई। दर्शन हेतु बुलन्द दरवाजा तक लम्बी-लम्बी कतारे लगी। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर अस्थाई दुकाने लगी। मिन्नत के धागे बाधने व मिन्नत पुरी होने पर गुड़, खोपरा, फलों से बच्चो को तोलकर उतारी मिन्नत। मिलाद ख्वा हज़रात ने महफिले मिलाद पढ़ी व कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश कर दाद बटोरी। बुलन्द दरवाजा के बाहर पार्किंग स्थल वाहनो से सटा रहा। सांयकाल चिराग बत्ती के समय मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की गई तो आमीन-आमीन की सदाओं से पुरा दरगाह परिसर गूंज उठा।

टुड़ियाना में 33/11 KV GSS का लोकार्पण, विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा - क्षेत्र के विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी

-विधायक राजेंद्र मीणा ने टुड़ियाना में 50 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। दौसा-महवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टुड़ियाना में बुधवार को विधायक राजेंद्र मीणा ने जनप्रतिनिधियों व ग्राम के पंच पटेलों के साथ 33/11 KV GSS (लागत 2 करोड़ रुपए) एवं विधायक कोष के 50 लाख रुपये के कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय गायक कृष्णा गुर्जर ने भजनों पर जोरदार प्रस्तुति दी। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि ग्राम टुड़ियाना में 33/11 KV GSS (लागत 2 करोड़ रुपए) से बनने वाली बिजली घर से आस पास के गांवों में बिजली की समस्या का समाधान होगा और किसानों को सुचारू रूप से बिजली मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने विधायक कोष से 50 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। विधायक राजेंद्र मीणा ने कार्यक्रम के दौरान गांव के पांच पटेलन सहित ग्रामीणों द्वारा मिले शानदार जानदार स्वागत सत्कार के लिए पूरी बस्ती माता का बहुत बहुत आभार, धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका विश्वास ही मेरी ताकत है, और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही मेरी प्राथमिकता है। इस अवसर पर भामाशाह केदार मीणा, सतीश टुडियाना, जिला परिषद सदस्य पप्पू उर्फ ब्रजमोहन मीणा, महुवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष गोपुत्र अवधेश अवस्थी, भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष धारा सिंह गुर्जर, टुडियाना सरपंच घनश्याम गुर्जर, योगेश शास्त्री, मनोज गुर्जर, बाबडीखेड़ा सरपंच बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता कनिष्ठ अभियंता सहित गांव के पंच पटेल गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सूने मकान की चोरी का खुलासा, मरम्मत व रंग-रोगन करने वाला ही निकला चोर

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। मंडावर थाना पुलिस ने ग्राम ऊकरूंद में रात्रि के समय सूने मकान से हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। मकान की मरम्मत और रंग-रोगन का काम करने के बहाने गांव में आया मजदूर ही चोरी की पूरी साजिश रचने वाला निकला, जिसने काम के दौरान घर की गतिविधियों पर नजर रखकर वारदात को अंजाम दिया और फिर फरार हो गया। महवा सीओ मनोहरलाल मीना के सुपरविजन में तथा मंडावर थानाधिकारी के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तरप्रदेश के आगरा जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार ग्राम ऊकरूंद निवासी राधेश्याम पुत्र श्रवणलाल मीना ने 4 जनवरी 2026 को थाना मंडावर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर ने उनके सूने मकान में घुसकर अंदर रखी सन्दक का ताला तोड़ दिया और उसमें रखी नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान गांव में हाल ही में आए बाहरी मजदूरों और मरम्मत कार्य से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की बारीकी से पड़ताल की गई, जिसमें संदेह उस युवक पर गहराया जो मकान में काम कर चुका था। तकनीकी साक्ष्यों और आसूचना तंत्र के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी इमरान उस्मानी उर्फ छोटू पुत्र सुलेमान, उम्र करीब 27 वर्ष, निवासी गली नंबर 01 महावीर नगर राधेवाली शिव नगर जगनेर रोड, थाना शाहगंज, जिला आगरा उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह मजदूरी के उद्देश्य से गांव आया था और काम के दौरान मकान की स्थिति, कीमती सामान और सूने समय की जानकारी जुटाकर चोरी की योजना बनाई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के प्रकरण दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति स्पष्ट होती है। मंडावर थाना पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल ग्राम ऊकरूंद में हुई चोरी की वारदात का खुलासा हुआ है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय बाहरी अपराधियों के प्रति सख्त संदेश भी गया है। पुलिस आरोपी से चोरी गए माल की बरामदगी और अन्य संभावित घटनाओं को लेकर गहन पूछताछ कर रही है। इस सफलता से क्षेत्र में पुलिस की सजगता और कानून व्यवस्था के प्रति आमजन का भरोसा और मजबूत हुआ है।

पूर्व सैनिक समस्या समाधान शिविर 23 जनवरी को

-रायसिंहनगर व पदमपुर में लगेगा शिविर

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले में भूतपूर्व सैनिक व वीरांगनाओं के लिये पूर्व सैनिक समस्या समाधान शिविर 23 जनवरी 2026 को प्रातः 11 से 12 बजे तक पंचायत समिति हॉल रायसिंहनगर और दोपहर 12.30 बजे से 1.30 बजे तक नगरपालिका पदमपुर में आयोजित किया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी आत्मेश बेनीवाल ने बताया कि इच्छुक भूतपूर्व सैनिक एवं वीरांगनाएं अपने समस्त दस्तावेज (पीपीओ, डिस्चार्ज बुक, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पेन कार्ड, मोबाइल जो स्पर्श व बैंक खाते में जुड़ा हुआ है) साथ में लाकर शिविर का लाभ उठाएं।

सडक सुरक्षा अभियान के तहत चूरू शहर में यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को पुष्प भेंट किये

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पुलिस अधीक्षक जय यादव आइपीएस ने बताया कि महानिरीक्षक बीकानेर रेंज के आदेशानुसार राज्य सरकार द्वारा चलायें गये सडक सुरक्षा अभियान 2026 के तहत सुनिल कुमार आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, सुनिल झाझडिया आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन में हंसराज प्रभारी यातायात शाखा चूरू के नेतृत्व मे यातायात शाखा चूरू की टीम ने 01 जनवरी 2026 से लगातार कस्बा चूरू में जगह-जगह नुकड सभा द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई एवं स्कूल व महाविधालयों में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई व बुधवार 21 जनवरी 2026 को शहर चूरू में रेल्वे स्टेशन के सामने यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को पुष्प भेंट किये गये एवं वाहनों चालकों को यातायात नियमों की पालना करने हेतु समझाईस की गई। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालें वाहनों चालको को समझाईस की गई व दुबारा यातायात नियमों की पालना नही करने पर एमवी एक्ट की कार्यवाही की जावेगी।

नगर परिषद सवाई माधोपुर में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार बुधवार को नगर परिषद सवाई माधोपुर में समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं परिवार में वरिष्ठ नागरिकों के महत्व, नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2016 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सहायता, माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007, वृद्धजनों को मिलने वाली रियायतों, वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कानूनी सहायता, भारत में वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित चुनौतियों एवं उनके निवारण के उपायों आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा वृद्धजनों एवं अन्य आमजन की समस्याओं को भी सुना गया। इस दौरान नगर परिषद आयुक्त देवेन्द्र जिन्दल द्वारा उपस्थित आमजन को नगर परिषद द्वारा संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, घूमन्तु समुदाय के व्यक्तियो के पहचान प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से छात्रावास अधीक्षक भावना शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वृद्धजनों के लिए संचालित इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री असहाय पुनर्वास योजना के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पैनल अधिवक्ता अभय कुमार गुप्ता, डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल वीरेन्द्र कुमार वर्मा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल अक्षय सिंह राजावत द्वारा न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान अभियान के माध्यम से जनउपयोगी सेवाओं जैसे बिजली, पानी, स्वच्छता, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, डाक, तार, टेलीफोन सेवा से संबंधित शिकायतों के निस्तारण, मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से प्री-लिटीगेशन एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के आपसी सहमति से निस्तारण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल, रिकी सैन, धनराज मीना, गिर्राज रैगर, मोरसिंह गुर्जर, देवनारायण गुर्जर, महेश कुमार गुर्जर द्वारा नगर परिषद में कैनोपी लगाकर आमजन को राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, हिट एंड रन योजना, न्याय आपके द्वार- लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, हिट एण्ड रन योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन्म प्रमाण पत्र संबंधी आवेदन प्राप्त किये गये।

रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है और युवाओं की भागीदारी समाज के लिए प्रेरणास्रोत - रफीक मंडेलिया

-प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया व सांसद राहुल कस्वां ने जन्मदिवस पर सभी कार्यकर्ताओं एवं आमजन का किया आभार व्यक्त

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष तथा भामाशाह रफीक मंडेलिया एवं क्षेत्रीय सांसद राहुल कस्वां के जन्मदिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर 10 स्थित पीएचसी नंबर 8 में कोम काज़ियान सदर संजय भाटी के संयोजन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर देर शाम तक चला, जिसमें युवाओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 418 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है और युवाओं की भागीदारी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। पूर्व विधायक श्रीमती कमला कस्वां ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन में युवाओं का जोश और समर्पण देखने लायक था, जो समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को दर्शाता है। कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों के आगमन पर आतिशबाजी, बैंड-बाजे और फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। राजस्थान प्रदेश

कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया व पूर्व विधायक श्रीमती कमला कस्वां का साफा, शॉल तथा 51 किलो की माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाज़त खान, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष किशोर धांधू, आदुराम न्यौल, कमला पुनिया, नारायण बालान, विमल शर्मा, विद्याधर मेघावाल, आबिद जाबासरिया, तारीख़ नागौरी, आरिफ़ रिसालदार, समीउल्ला गौरी, तौफीक खान,अज़ीज़ खान, रामनारायण व्यास, योगेश ढाका, शेर खान मलकान आदि साथ थे । कार्यक्रम का संचालन चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। स्वागत व्यवस्था में ज़ाकिर झारियावाला, पार्षद शाहरुख खान, इरफान भाटी, सोयल भाटी, अमीर बीरम सरिया, अजहरुद्दीन खोखर, शोयब खोखर, नाइफ, साहिल भाटी, खलीक आ़गवान, मोहम्मद कुरैशी, सोयल थीम, कैफ खोखर, अल्ताफ, बिलाल, शाहरुख, गुल्लू, दीपिका सोनी, ज्योति सिंह, सुनीता बाकोलिया, जाफरुन भाटी, काज़ी अब्बास,जुबैर भाटी, नोमान सैय्यद, महबूब दा रुगरिया, सनी भाटी, मंसूर अहमद सहित अनेक युवाओं ने अपनी टीम के साथ सक्रिय भूमिका निभाई। रक्तदान शिविर में डीबीएच चूरू ब्लड बैंक, ब्लड सेंटर बिकाना बीकानेर, स्वास्तिक ब्लड बैंक चूरू एवं संजीवनी ब्लड बैंक चूरू की टीमों ने सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजक संजय भाटी ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों व सहयोगी ब्लड बैंक टीमों का आभार व्यक्त किया।

विवेकानन्द बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन 31 जनवरी को, पोस्टर का हुआ विमोचन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। विवेकानन्द बस्ती में विराट हिन्द सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी समाज बन्धुओं के साथ रणथंभौर विलास रिसोर्ट में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहप्रांत प्रचारक विशाल कुमार, विभाग प्रचारक दीपक कुमार, जिला संघचालक गोविन्द प्रसाद, बस्ती संयोजक सत्येन्द्र पाल राजावत एवं आयोजन समिति सदस्यों की उपस्थिति में विराट हिन्द सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया। सहप्रांत प्रचारक विशाल कुमार ने बताया कि पंच परिवर्तन समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक शिष्टाचार, स्वबोध एवं कुटुम्ब प्रबोधन की वर्तमान समय आवश्यकता है, स्वयं अपने जीवन व्यवहार में उतारकर समाज के

लिए प्रेरणा बने जिससे भारत पुनः विश्व गुरु बनकर सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का माध्यम बनेगा। कलश यात्रा, सजीव झांकियां, शोभा यात्रा के साथ ब्रह्मपुरी, विज्ञान नगर, कुतलपुर जाटान, विवेकानन्दपुरम, सुभाष नगर, महावीर नगर, बिशनपुरा, हिम्मतपुरा, रेलवे कालोनी आदि स्थानों से सभी हिन्द परिवारों का कार्यक्रम स्थल पर आगमन व संगम होगा साथ ही विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजन की विस्तृत योजना बनाई गई । इस दौरान सुरेन्द्र शर्मा, गिरीश शर्मा, अशोक बैंडवाल, उपाध्यक्ष सोनी शर्मा, महिला प्रमुख, लोकेश अवस्थी, रणवीर सिंह चौधरी, पवन मीना, मुरारी भारद्वाज, रितेश भारद्वाज, फौरन सिंह, मुकेश कुमावत, भास्कर पारीक, डॉ. मनीष शर्मा, मुरली गौतम, रामचरण शर्मा, बीरूलाल मीणा, अवधेश चौधरी, कन्हैयालाल चौधरी, डमरूदयाल शर्मा, कुलदीप शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बिना पुलिस वेरिफिकेशन रह रहे बाहरी लोग, कैंचिया बना सुरक्षा का संवेदनशील केंद्र

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/ गोलूवाला (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले के गोलूवाला थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव कैंचिया में बिना पुलिस वेरिफिकेशन के बड़ी संख्या में बाहरी लोगों के रहन-सहन का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार यहां विभिन्न राज्यों से आए मजदूर, अस्थायी कामगार व अन्य बाहरी लोग किराये के मकानों, ढाणियों और खेत-ढाणियों में रह रहे हैं, लेकिन अधिकांश का आज तक पुलिस सत्यापन नहीं हुआ है। यह स्थिति न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि क्षेत्र की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा करती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कैंचिया हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले की सीमा पर स्थित है। बॉर्डर क्षेत्र होने के कारण यहां दिन-रात बाहरी लोगों की आवाजाही बनी रहती है। निर्माण कार्य, कृषि मजदूरी, फैक्ट्री व ढाबों पर काम करने के नाम पर कई संदिग्ध लोग भी आकर रुक जाते हैं, लेकिन मकान मालिकों और ठेकेदारों द्वारा पुलिस को कोई सूचना नहीं दी जाती।

कभी भी पड़ सकता है भारी:

जानकारों का मानना है कि बिना वेरिफिकेशन रह रहे बाहरी लोग कभी भी किसी अपराधिक घटना, चोरी, नशे की तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त हो सकते हैं। बॉर्डर क्षेत्र होने के कारण असामाजिक तत्वों के लिए यह इलाका सुरक्षित ठिकाना बन सकता है। ऐसे में पुलिस सत्यापन नहीं होना भविष्य में बड़ी घटना को न्योता दे सकता है।

नियमों की हो रही अनदेखी:

पुलिस नियमों के अनुसार किसी भी बाहरी व्यक्ति को किराये पर रखने से पहले उसका पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य है। इसके बावजूद कैंचिया क्षेत्र में इस नियम की खुलेआम अनदेखी हो रही है। न तो मकान मालिक जागरूक हैं और न ही संबंधित विभागों द्वारा सख्ती बरती जा रही है।

स्थानीय लोगों में चिंता:

ग्रामीणों ने बताया कि बाहरी लोगों की सही पहचान न होने से महिलाएं और बुजुर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कई बार संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने के बावजूद जानकारी के अभाव में शिकायत करना भी मुश्किल हो जाता है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग:

स्थानीय नागरिकों ने गोलूवाला पुलिस व जिला प्रशासन से मांग की है कि कैंचिया सहित आसपास के गांवों में विशेष अभियान चलाकर बाहरी लोगों का पुलिस सत्यापन कराया जाए, मकान मालिकों व ठेकेदारों को पाबंद किया जाए और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। यदि समय रहते इस गंभीर लापरवाही पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह चूक आने वाले समय में कानून-व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकती है

राजस्थान आईटी क्रिकेट लीग 2025-26:

रणथंभोर टाइगर्स ने विक्ट्री वारियर्स को 5 विकेट से हराया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान के तत्वावधान में जयपुर में 17 जनवरी से आयोजित राजस्थान आईटी क्रिकेट लीग 2025-26 में सवाई माधोपुर की टीम रणथंभोर टाइगर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जयपुर की विक्ट्री वारियर्स टीम को 5 विकेट से पराजित किया।

आईटी यूनियन के जिलाध्यक्ष भुवनेश जाट ने जानकारी देते हुए बताया कि मुकाबले में रणथंभोर टाइगर्स के खिलाड़ी धनपाल मीना (सहायक प्रोग्रामर) ने उत्कृष्ट ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 76 रनों की शानदार पारी खेली तथा 3 विकेट भी हासिल किए। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए विक्ट्री वारियर्स की टीम ने निर्धारित ओवरों में 165 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रणथंभोर टाइगर्स ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 18.2 ओवर में 5 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। रणथंभोर टाइगर्स की जीत में नवल कुमार मीना और धनपाल मीना के बीच हुई 92 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निर्णायक साबित हुई, जिसने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। रणथंभोर टाइगर्स सवाई माधोपुर टीम में भुवनेश जाट, गोविन्द विजय, धनपाल मीना, हेमराज मीना, राकेश मीना, जितेंद्र मीना, समय मीना, नवल मीना, निखिल गुर्जर, मुकेश मीणा, रामरस मीणा, मनीष मीणा एवं संतोष मिरोठा शामिल रहे। टीम का अगला मुकाबला 22 जनवरी को टोंक आईटी ब्लास्टर्स के साथ खेला जाएगा।

अस्पताल में साफ-सफाई, उपचार व सुरक्षा का हो सुव्यवस्थित प्रबंधन - सुराणा

-जिला कलक्टर ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा बुधवार सवेरे जिला मुख्यालय स्थित राजकीय डीबी जनरल अस्पताल में शॉर्ट सर्किट की सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थितियों का जायजा लिया। इस दौरान मौजूद कार्मिकों की सतर्कता से बड़ा हादसा टला और किसी प्रकार की हानि नहीं हुई। डीबीएम के एमसीएच विंग में पीकू वार्ड में शॉर्ट सर्किट होने की स्थिति पर विभागीय कार्मिकों की तत्परता एवं मुस्तैदी से तुरंत नियंत्रण पाया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि या बड़ा हादसा होने से बचाव हो सका। मौके पर पहुंचकर जिला कलक्टर सुराणा ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर विद्त व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा एवं मरीजों की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होने के लिए विद्त उपकरणों की नियमित जांच, सुरक्षा मानकों के

पालन एवं आवश्यक एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था का अवलोकन कर कहा कि अस्पताल में सफाई व्यवस्था माकूल रखें। अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर साफ-सफाई, सुरक्षा और सुव्यवस्थित प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण मिल सके। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल में आपातकालीन सुविधा, ओपीडी, आईपीडी वार्ड, एमसीएच विंग, पीकू वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवा वितरण काउंटर सहित अन्य उपचार इकाइयों का भी निरीक्षण किया और समुचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाएं और सुदृढ़ करें। मरीजों व उनके परिजनों के बैठने के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था की जाए तथा दवा व जांच की समयबद्ध उपलब्ध सुनिश्चित हो। जिला कलक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य और अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं व उपचार आदि के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. दीपक चौधरी, डॉ. इकराम हुसैन सहित अन्य मौजूद रहे।

मोदी वर्ल्ड स्कूल में एनुअल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन, दिनभर रहा खेलों का रोमांच

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी में प्रतिवर्ष की भांति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु बुधवार, 21 जनवरी 2026 को एनुअल स्पोर्ट्स मीट का भव्य एवं अनुशासित आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अरविंद कुमार ओला-डिप्टी डायरेक्टर जिला बाल अधिकारिता विभाग, झुंझुनूं के सान्निध्य में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत, तिलक, बैज एवं पुष्पगुच्छ भेंट के साथ की गई। इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया। घुड़सवार दल, स्कूल बैंड, जॉली एंजेल्स एवं विभिन्न हाऊस के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी का मन मोह लिया। मशाल प्रज्ज्वलन के साथ खेल भावना का संदेश दिया गया। जॉली एंजेल्स के नन्हें विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एरोबिक्स एवं योग नृत्य ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। मुख्य अतिथि अरविंद कुमार ओला द्वारा खिलाड़ियों को खेलों की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात विद्यालय की प्रबंध निदेशिका नीरजा मोदी द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता की औपचारिक घोषणा की गई।

जानकारी देते हुए स्कूल स्पोर्ट्स कोच अमित कुमार ने बताया कि आज सभी विद्यार्थियों के लिए अनेक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। दिनभर चले खेलों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

खेल प्रतियोगिताओं में 400 मीटर छात्र वर्ग रिले रेस में अंकित ने प्रथम आर्यन ने द्वितीय तथा ललित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर छात्रा वर्ग रिले रेस में शिक्षा ने प्रथम, वंशिका ने द्वितीय एवं ईशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर फाइनल रेस में मर्करी हाऊस के साहिल, आदित्य, बिलाल जुपिटर हाऊस के भंवरजीत, विवेक, कृष्णा तथा नेप्च्यून हाऊस के अदीब, यशवर्धन एवं अनुज का प्रदर्शन शानदार रहा। पेपर रेस में तोषी, लविक्षता, दक्ष, हर्षित, मानव, ईशिका, हार्दिक, रक्षिता, कनक, लव्या, अश्विनी एवं अविका का प्रदर्शन शानदार रहा। टीम इवेंट में खो-खो, फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट एवं बास्केटबॉल में नेप्च्यून हाऊस के मयंक, गर्वित, शिव, जतिन, अभिनव, राजपाल, जयंत वीनस हाऊस के प्रतीक, विरेन, टीनू, यशवर्धन, अंशुमान, श्यामजी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन खेलों के अलावा हूला-हूप रेस, ऑब्स्टेकल रेस, बॉल आब्स्टेकल रेस, हर्डल रेस, जम्प विद हूला-हूप रेस, जम्पिंग रेस, बॉल बैलेंस रेस, बनाना रेस, हॉकी विद बॉल, फुटबॉल कैरिंग, रॉलिंग विद बॉल, बॉल रिले रेस, बैग रेस,रेस विद चेयर, स्टॉन क्लेक्टिंग रेस, बैलून ब्लास्टिंग रेस, रिंग रेस, स्कूप टूनल रेस, रोलिंग बॉल, ग्लास पिरामिड रेस, रिंग रेस में भी सैकड़ों विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

मोदी वल्र्ड स्कूल चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पढ़ोगे - लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे - कूदोगे तो बनोगे लाजवाब। शिक्षा के साथ-साथ खेलों का विकास होना भी अत्यंत आवश्यक है। इसमें विद्यार्थी अपना करियर बनाकर लक्ष्य अर्जित कर सकता है। मोदी वर्ल्ड स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु उनको हर प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। अतः समय-समय पर ऐसी प्रतियोगिताएं आयोजित करवाना विद्यार्थियों के लिए हितकारी साबित होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा खेलों के महत्व को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। शहर के इलेक्ट्रोनिक एवं प्रिंट मीडिया ने भी इस प्रतियोगिता की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा इसे विद्यार्थियों के लिए मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए आवश्यक बताया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मोदी वल्र्ड स्कूल मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी, गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, स्कूल प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हेडमिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुन्दर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की तथा मेडल, ट्रॉफी एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सभी अध्यापक-अध्यापिकाएं एवं अभिभावक भी उपस्थित थे।

रंगोली के रंगों से दी सड़क सुरक्षा की सीख

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल छीपाबड़ौद, इंडियन पब्लिक स्कूल छिनोद सहित जिले के अन्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिला सड़क सुरक्षा समिति बारां द्वारा जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने रंगोली के माध्यम से यातायात नियमों, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति से बचाव तथा सुरक्षित सड़क व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को रचनात्मक रूप में प्रस्तुत

किया। इस अवसर पर एनजीओ सदस्य हरीश कुमार एवं रघुवीर ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके पालन की अपील की। प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन से पूर्व विद्यालय के निदेशक पवन शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करती हैं तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहायक सिद्ध होती हैं।

'जीवन रक्षक' बनेंगे विद्यार्थी, जिले के शिक्षण संस्थानों में छात्रों को दिये जा रहे विशेष प्रशिक्षण

-सीपीआर प्रशिक्षण देकर बताए जान बचाने के तरीके

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार जिले के विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है। चिकित्सा विभाग के कार्मिकों द्वारा जीवन रक्षक कौशल पर गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सीपीआर यानि कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन एक जीवन रक्षक आपातकालीन प्रक्रिया है। जिसमें दिल रूकने या सांस रूकने पर छाती दबाकर या मुंह से मुंह लगाकर सांस देकर शरीर में अक्सीजन व रक्त संचार बनाए रखा जाता है और मेडिकल सहायता दी जाती है। यह हर कोई सीख सकता है। कई परिस्थितियों में इससे मरीज की जान भी बचाई जा सकती है। अचानक दिल का दौरा पडने पर या अन्य परिस्थितियों में मरीज की सांस रूकने पर चिकित्सा सुविधा मिलने तक मरीज में रक्त परिसंचरण को बनाए रखे जाने का प्रयास सीपीआर के द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर स्कूलों में बच्चों को सीपीआर देने की प्रक्रिया बताई गई कि छाती पर कहां हाथ रख किस प्रकार से सीपीआर देकर मरीज की जान बचाई जा सकती है।

हर सेकंड की अहमियत का दिया गया संदेश :-

प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा विभाग की टीम ने सीपीआर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि, "सड़क दुर्घटना या अचानक आए हार्ट अटैक की स्थिति में गोल्डन आवर के शुरुआती कुछ मिनट सबसे कीमती होते हैं। यदि मौके पर मौजूद व्यक्ति को सही तरीके से सीपीआर देना आता है, तो व्यक्ति को पुनर्जीवित करने की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाती हैं। व्यस्कों को सीपीआर देने की सही तकनीक, गर्भवती माताओं और नवजात शिशुओं के लिए विशेष सावधानी और प्रक्रिया, सड़क दुर्घटना में घायल को सुरक्षित बाहर निकालने के तरीके सिखाए गए।

'हैंड्स-ऑन' अभ्यासः सीखीं जीवन रक्षक तकनीकें :-

प्रशिक्षण के दौरान 'हैंड्स-ऑन' अभ्यास कराया। उन्होंने लाईव प्रदर्शन करते हुए सिखाया कि आपात स्थिति में चेस्ट कंप्रेशन की सही गहराई और गति क्या होनी चाहिए। विशेष रूप से गर्भवती माताओं और नवजात शिशुओं की नाजुक स्थिति को देखते हुए सीपीआर देने मे सावधानी रखना आवश्यक है।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई, जिसमें जिले की राजस्व संबंधी कार्यों की विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, नामांतरण, सीमांकन, रास्ता प्रकरण, भूमि विवाद, न्यायालयीन प्रकरणों तथा विभिन्न पोर्टल पर दर्ज मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि आमजन से जुड़े राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। समस्त ब्लॉक अधिकारी अपने-अपने ब्लॉक में स्कूल, हॉस्पिटल, गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि जिले के गिरदावर सर्किल में एक दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, इसको लेकर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिविर में आने वाली समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर आमजन को राहत पहुंचाई जाये।

बैठक में जिला कलक्टर ने नामांतरण एवं सीमांकन प्रकरण, जिले में विचाराधीन भूमि आवप्ति प्रकरणों, गिरदावरी, फार्मर रजिस्ट्री क्लेम स्टेटस रिपोर्ट, ऑडिट रिपोर्ट, न्यायालय जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखंड अधिकारी, सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) के प्रकरण डिस्पोजल की ब्लाकवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए समय सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए। रास्ता प्रकरणों एवं भूमि विवादों में मौके पर जाकर वस्तुस्थिति की जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय एवं राजस्व न्यायालयों से संबंधित प्रकरणों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए। सरकारी अधिवक्ताओं के साथ समन्वय रखते हुए समय पर जवाब प्रस्तुत किए जाएं। बैठक में

ई-फाइलिंग एव आनलाइन पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि ई-फाइलिंग, ऑनलाइन आवेदन एवं विभिन्न राजस्व पोर्टलों पर प्राप्त प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पोर्टल पर अद्यतन स्थिति नियमित रूप से अपडेट की जाए। इसके अलावा बैठक में राजस्व निरीक्षकों, पटवारियों एवं तहसील स्तर पर लंबित कार्यों की समीक्षा की गई तथा फील्ड स्तर पर कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन सुभाष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर अनूपगढ़ अशोक सांगवान, सूरतगढ़ एडीएम दीनानाथ बाबल, एसडीएम सूरतगढ़ भरत जयप्रकाश मीणा, उपखण्ड अधिकारी श्रीगंगानगर नयन गौतम, उपखंड अधिकारी पदमपुर अजीत कुमार, उपखंड अधिकारी अनूपगढ़ सुरेश राव, उपखण्ड अधिकारी रायसिंहनगर सुभाष कुमार, उपखंड अधिकारी सादुलशहर रवि कुमार, उपखंड अधिकारी विजयनगर श्रीमती शकुंतला, उपखण्ड अधिकारी श्रीकरणपुर श्योराम, उपखंड अधिकारी घड़साना, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रफीक मंडेलिया व राहुल कस्वा के जन्म दिवस पर उत्सव जैसा रहा माहोल- पूर्व सभापति महनसरिया

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय नई सड़क पर व्यापारियों ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया व सांसद राहुल कस्वा के जन्म दिवस पर चुरु नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने व्यापारियों के साथ केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर रफीक मंडेलिया और राहुल कस्वा की माता पूर्व मंत्री श्रीमती कमला कस्वा व इरसाद मडेलिया का साल, साफा, माला तथा फुल बरसाकर तथा आतिशबाजी करके

स्वागत किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में उपस्थित व्यापारियों ने राहुल कस्वा एवं रफीक मंडेलिया की स्वस्थ लंबी उम्र व तरक्की की कामना करते हुए बधाई दी, कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. प्यारेलाल दानोदिया ने किया।

असिन

ने करियर के पीक पर एक्टिंग को कहा अलविदा

ये थी बड़ी वजह

असिन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साउथ इडंस्ट्री से की थी। साउथ में उन्होंने अपनी एक्टिंग के दम पर खूब नाम कमाया। लेकिन जब बॉलीवुड में एंट्री ली तो, यहां भी उन्होंने अपने एक्टिंग टैलेंट से लोगों का ऐसा दिल जीता कि मेकर्स के साथ-साथ वह दर्शकों की भी फेवरेट बन गई। असिन ने अपने करियर में आमिर खान, सलमान खान और अजय देवगन जैसे स्टार्स के साथ काम किया है. साल 2016 में उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया था। ये वो वक्त था, जब वह अपने करियर के शिखर पर थीं। जब मेकर्स उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट करने के लिए तरसा करते थे। अब वो कहां हैं और क्या कर रही हैं। बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में अपना डंका बजा चुकीं असिन ने आमिर खान के साथ फिल्म 'गजनी' में काम किया था। इस फिल्म से वह रातोंरात स्टार बन गई थीं। फिल्म में उनकी केमिस्ट्री आमिर खान के साथ काफी पसंद की गई थी। फिल्म ने कमाई के मामले में भी कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। आमिर संग ब्लॉकबस्टर देने के बाद असिन ने सलमान खान, अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ भी फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने हर किरदार में जान फूंक दी। लेकिन करियर के शिखर पर पहुंचने के बावजूद उन्होंने अचानक फिल्मों से दूरी बना ली। ऐसे में फैंस के मन में आज भी सवाल उठता है कि आखिर आसिन ने एक्टिंग से संन्यास क्यों लिया? आसिन ने साल 2016 में माइक्रोमैक्स के सह-संस्थापक राहुल शर्मा संग शादी रचाई थी। आज 20 जनवरी साल 2026 को उनकी शादी की दसवीं सालगिरह हैं। असिन ने घर बसाते हीं एक्टिंक को अलविदा कह दिया था। देखते ही देखते वह एक्टिंग से अचानक दूर हो गई।

'बॉर्डर 2' में तबू को क्यों नहीं किया गया कास्ट? प्रोड्यूसर ने बताई चौंकाने वाली वजह

सनी देओल स्टारर 'बॉर्डर 2' ये वॉर ड्रामा फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। ये फिल्म 1997 में आई ब्लॉकबस्टर 'बॉर्डर' की सीक्वल है। हालांकि पहले पार्ट से सिर्फ सनी देओल 'बॉर्डर 2' में हैं। वहीं सनी की पत्नी का रोल करने वाली तबू को सीक्वल में कास्ट नहीं किया गया है। ऐसे में जे पी दत्ता की बेटी और निर्माता निधि दत्ता, जो अपनी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं, उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि आखिर तबू को निधि ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान कहा कि 'बॉर्डर 2' भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध से अलग एक वॉर पर बेस्ड है, न कि लोंगेवाला की लड़ाई पर, इसलिए पहले भाग के कुछ ही कलाकार इस फिल्म में नजर आते हैं। उन्होंने बताया, 'सनी देओल फिल्म में कुलदीप सिंह चांदपुरी का किरदार नहीं निभा रहे हैं। फिल्म से जुड़ी सभी जानकारियों से आपको समझ आ गया होगा कि मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी, जिनका किरदार उन्होंने पहली फिल्म में निभाया था, एक अलग किरदार है। इसलिए जाहिर है, उनकी पत्नी भी अलग होंगी।' उन्होंने यह भी बताया कि दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर उन्हें यह फिल्म सौंपी थी। उन्होंने कहा, 'यह एक जिम्मेदारी है, कोई आइडिया नहीं. हमारे दिवंगत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल बिपिन रावत ने कुछ साल पहले मुझे और मेरे पिता को दिल्ली बुलाया था। उस दौरान उन्होंने हमें 22 ऐसे नायकों की कहानियां सुनाई थीं, जिनमें से 3 और 4 इस फिल्म में हैं। उन्होंने कहा था कि ये हमारे शहीदों, हमारे सैनिकों की कुछ कहानियां हैं, जिन्हें जनता तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने यह जिम्मेदारी मुझे और मेरे पिता को सौंपी थी। उसके बाद, दुर्भाग्यवश, हमने उन्हें एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में खो दिया। इसलिए मैं कहूंगी कि यह फिल्म सिर्फ मेरा और मेरे पिता का सपना नहीं है। मुझे लगता है कि यह दिवंगत जनरल बिपिन रावत जी का भी सपना था।

70 साल के इस एक्टर की फिल्म ने सिनेमाघरों में ला दी सुनामी

यंग एक्टर्स जहां बॉक्स ऑफिस पर एक हिट फिल्म के लिए तरह रहे हैं, वहीं 70 साल के एक्टर ने बॉक्स ऑफिस पर नोटों की बारिश कर दी है। चिरंजीवी की फिल्म 'मन शंकर वर प्रसाद गारू'ने बॉक्स ऑफिस पर नोटों की ऐसी बारिश की है कि ट्रेड एनालिस्ट्स भी हैरान हो गए हैं। जैसे ही एक्टर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म का कलेक्शन सामने आया कई लोग हैरान रह गए। 'मन शंकर वर प्रसाद गारू'ने 12 जनवरी 2026 को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दिया था। दर्शकों ने इस फिल्म को काफी पसंद किया था। वहीं,क्रिटिक्स ने भी फिल्म की खूब तारीफ की थी। बता दें 'मन शंकर वर प्रसाद गारू'ने प्री रिलीज में 9.35 करोड़ का कलेक्शन किया था। लेकिन रिलीज के पहले दिन की कमाई ने हर किसी के होश उड़ा दिए।

रणवीर सिंह की मां ने हाथ में लिखवाया पोती दुआ का नाम, फ्लॉन्ट की मेहंदी

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड के पावर कपल हैं। ये कपल एक बेटी के पेरेंट्स बन चुके हैं। दीपिका और रणवीर की बेटी दुआ अब एक साल की हो चुकी है। उन्होंने कुछ समय पहले ही अपनी बेटी का चेहरे फैंस को दिखाया है। दुआ की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। दुआ अपनी फैमिली की लाडली हैं। उस पर हर कोई प्यार बरसाता रहता है। अब दुआ की दादी ने उसपर प्यार बरसाया है। रणवीर सिंह की मां अंजू भवनानी हाल ही में किसी शादी में शामिल हुई थीं। जहां पर उन्होंने अपनी पोती का नाम मेहंदी से लिखवाया है और इसे फ्लॉन्ट किया है। उनकी हाथ पर लगी मेहंदी का फोटो शेयर किया है। बता दें रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण सितंबर 2024 में बेटी के पेरेंट्स बने हैं. दुआ का जन्म 8 सितंबर को हुआ है. दुआ के जन्म के बाद दीपिका और रणवीर की जिंदगी पूरी बदल गई है। दीपिका और रणवीर ने बीते साल अक्टूबर में बेटी दुआ का चेहरा रिवील किया है। उन्होंने दुआ के साथ ढेर सारी फोटोज शेयर की थीं। कई लोगों को तो ये एआई फोटोज लगी थीं. दुआ ने अपनी स्माइल से सभी का दिल जीत लिया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह इस समय हर जगह छाए हुए हैं। उनकी फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। धुरंधर साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

धनुष बेटों के कारण कभी नहीं करेंगे दूसरी शादी

मृणाल ठाकुर संग डेटिंग की खबरें भी अफवाहः रिपोर्ट

धनुष और मृणाल ठाकुर की डेटिंग, शादी की खबरों ने बीते हफ्ते खूब सुर्खियां बटोरीं। अब तमिल एक्टर के करीबियों के हवाले से खबर आई है कि वह कभी दूसरी शादी नहीं करने वाले हैं। इसमें कहा गया है कि धनुष का यह फैसला सीधे तौर पर दोनों बेटों की परवरिश से जुड़ा है। बीते कुछ दिनों से साउथ सिनेमा में सुपरस्टार धनुष और मृणाल ठाकुर को लेकर खूब चर्चा चल रही है। पहले यह दावा किया गया कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, वहीं बीते हफ्ते यहां तक कहा गया कि धनुष और मृणाल अगले महीने वैलेंटाइन डे पर शादी करने जा रहे हैं। हालांकि, फिर बाद में इन दूसरे अन्य रिपोर्ट्स में इन दावों को खारिज भी किया गया। दिलचस्प बात यह है कि अभी तक इस मामले में धनुष या मृणाल की टीम से कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन सोशल मीडिया पर इस चुप्पी के कारण कई थ्योरीज भी आ रही हैं। अब धनुष और मृणाल के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि शादी तो दूर की बात है, दोनों सितारों की डेटिंग की खबरें भी फर्जी हैं। धनुष ने नवंबर 2024 में पत्नी ऐश्वर्या रजनीकांत से अलगाव का ऐलान किया था। वह दो बेटों यात्रा राजा और लिंगा राजा के पिता हैं। उनकी और मृणाल ठाकुर की डेटिंग को लकर अफवाहों ने तब तूल पकड़ा, जब वो प्राइवेट इवेंट में साथ नजर आए। यही नहीं, धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' के प्रीमियर पर भी मृणाल पहुंची थीं। कुछ लोगों को दोनों का गर्मजोशी से मिलना और गले लगना 'कुछ खास' लगा था।

नेटफ्लिक्स की हिट सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन 11 फरवरी को रिलीज होगा

पुलिस पर आधारित प्रशंसित सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन 11 फरवरी को प्रसारित होगा। इसकी घोषणा स्ट्रीमिंग मंच नेटफ्लिक्स ने मंगलवार को की। पहले सीजन को आलोचकों द्वारा खूब सराहा गया था और चरित्र केंद्रित कथानक के लिए इसकी व्यापक रूप से प्रशंसा की गई थी। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अभिनेता बरुन सोबती सहायक सब-इंस्पेक्टर अमरपाल गरुंडी के रूप में वापसी करेंगे, जबकि मोना सिंह सीरीज में एक प्रमुख नए किरदार में दिखाई देंगी दूसरे सीजन में गरुंडी जगराना को पीछे छोड़कर डलेरपुरा पुलिस थाने का जिम्मा संभालते नजर आएंगे, जहां वह नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर को रिपोर्ट करेंगे, जिसकी भूमिका मोना सिंह निभा रही हैं। गुंजीत चोपड़ा, डिग्गी सिसोदिया और सुदीप शर्मा द्वारा लिखी गई सीरीज कोहरा का निर्माण ए फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शन ने किया है। प्राइम वीडियो के पाताल लोक में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाले शर्मा, फैसल रहमान के साथ निर्देशक की भूमिका में नजर आएंगे। शर्मा ने कहा, यह कार्यक्रम भावनाओं का एक उतार-चढ़ाव भरा सफर है। बरुन और मोना ने शानदार काम किया है, और मैं लोगों के इसे देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कोहरा को लीक से हटकर बताया, जिसने अपनी सहज कहानी कहने की शैली के लिए पुरस्कार और आलोचनात्मक प्रशंसा अर्जित की है।

इश्कां दे लेखे मेरे लिए एक सपना है, जिसे मैंने हर दिन जिया है

ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय अब अपने करियर का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय शुरू करने जा रही हैं। लंबे समय तक अभिनय में मेहनत और तैयारी के बाद, वह अब बड़े पर्दे पर कदम रख रही हैं और अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' के जरिए दर्शकों से रूबरू होंगी। उनके लिए यह फिल्म केवल डेब्यू नहीं है, बल्कि उनका एक ऐसा सपना है जिसे उन्होंने हर दिन जिया है। ईशा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए शब्दों से ज्यादा मायने रखती है। कैमरे के सामने खड़े होना मेरे लिए भावुक भरा अनुभव रहा। यह फिल्म मेरे दिल के करीब है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही प्यार और ईमानदारी महसूस होगी जो हमने इस फिल्म को बनाते समय महसूस की थी। यह फिल्म एक डेब्यू से कहीं ज्यादा है; यह एक सपना है जिसे मैंने हर दिन जिया है!' इस फिल्म में पंजाबी सिनेमा के मशहूर अभिनेता गुरनाम भुल्लर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं इस फिल्म का निर्देशन मनवीर बरार कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी जस्सी लोहका ने लिखी है। 'इश्कां दे लेखे' एक रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो 6 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ईशा की बात करें तो, उन्होंने 13 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू की थी। साथ ही कई ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा भी लिया था। साल 2021 में टेलीविजन शो 'उड़ारियां' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जैस्मीन का किरदार निभाया था। इस शो में उनके साथ अभिनेता अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। इसके बाद ईशा को साल 2023 में सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 17वें सीजन में देखा गया। अभिनेत्री 'पांव की जुत्ती,' 'पांव की जुत्ती,' और 'शेकी शेकी' जैसे म्यूजिक वीडियो से लोकप्रियता हासिल कर चुकीं हैं।

(साभार एजेंसी)

आज टी-20 मैच में सूर्यकुमार पर रहेगी निगाहें, 25 रन बनाते ही नाम होगा ये रिकॉर्ड

नागपुर (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का आगाज 21 जनवरी से नागपुर में होने जा रहा है। यह सीरीज सिर्फ टीम इंडिया के संयोजन के लिहाज से नहीं, बल्कि कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए भी बेहद अहम मानी जा रही है। लंबे समय से टी20 फॉर्मेट में रन बनाने के लिए जूझ रहे सूर्यकुमार के सामने खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा। फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स इस बात पर नजर रखे हुए हैं कि क्या 'मिस्टर 360 डिग्री' एक बड़ी पारी के साथ वापसी कर पाएंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में सूर्यकुमार यादव एक बड़े व्यक्तिगत मुकाम को छू सकते हैं। वह टी20 क्रिकेट में 9000 रन पूरे करने से महज 25 रन दूर हैं। ऐसा करने पर वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और शिखर धवन यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। पिछले एक साल में सूर्यकुमार यादव का टी20 प्रदर्शन उनकी प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं रहा है। विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर पहचान बनाने वाले सूर्या लगातार अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे हैं। कई क्रिकेट जानकारों का मानना है कि अगर वह टीम के कप्तान नहीं होते, तो टी20 वर्ल्ड कप की संभावित योजनाओं में उनका नाम संदिग्ध हो सकता था। हालांकि टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने उन पर भरोसा जताया है।

3 साल से कोर्ट से दूर साइना नेहवाल का संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए खेलना संभव नहीं रह गया है। साइना आखिरी बार जून 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं।35 वर्ष की साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा, मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे घोषणा जरूरी नहीं लगी। पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 साइना ने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। वे 2009 में बीडब्ल्यूएफ सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इसके बाद 2010 और 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीते।साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है। उन्होंने कहा, जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8-9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1-2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। मैं अब अपना करियर और नहीं खींच सकती।

तीन मैच बदल देंगे श्रेयस की तकदीर!

टी20 में वापसी तो हुई, पर क्या विश्वकप टीम में जगह बना पाएंगे!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर ने फिर से टी20 टीम में जगह बना ली है। चयनकर्ताओं ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ 21, 23 और 25 जनवरी को होने वाले तीन टी20 मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। वह तिलक वर्मा की जगह टीम में आए हैं, जो फिलहाल चोट से जूझ रहे हैं। वापसी का यह समय बेहद अहम है, क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप में अब एक कुछ ही दिनों का समय बचा है। चोटें और फॉर्म किसी भी बड़े टूर्नामेंट का समीकरण बदल सकती हैं, इसलिए चयनकर्ता अनुभवी विकल्पों को तैयार रख रहे हैं।श्रेयस का यह पहला टी20 कॉल-अप 2023 में ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद आया है। 2024 वर्ल्ड कप से ठीक पहले उन्हें ड्रॉप किया गया था, जो उनके लिए बड़ा झटका था। इसके बाद उन्होंने आईपीएल में करियर की नई ऊंचाइयाँ छुईं। 2024 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया। व्यक्तिगत तौर पर, आईपीएल 2025 उनका सुनहरा सीजन रहा।

श्रेयस ने 604 रन बनाए और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 175 और औसत 50.33 का रहा। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक लगाए। श्रेयस ने 43 चौके और 39 छक्के जड़े। सबसे खास बात यह रही कि धीमी पिचों पर स्पिन पर उनकी पकड़ मजबूत दिखी। कोच राहुल द्रविड़ ने कुछ साल पहले श्रेयस के स्वभाव पर कहा था, 'उनकी सबसे बड़ी खासियत उनका टेम्परामेंट है। दबाव में भी वो खुद को बेहतर तरीके से संभालते हैं।' यह बयान आज भी उनके करियर के साथ फिट बैठता है।

भारतीय टी20 टीम में बढ़ी भीड़: जगह मिलेगी कैसे

2024 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत की टी20 टीम का स्तर और चयन दोनों बदला है। लगातार सीरीज जीत, नई प्लेइंग कॉम्बिनेशन और प्रदर्शन की निरंतरता ने जगह पाना और मुश्किल बना दिया है। ईशान किशन, रिंकू सिंह, शिवम दूबे और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाज जगह के लिए पहले से ही कतार में हैं। ऐसे में अय्यर को सीमित मौकों में तुरंत बड़ा प्रभाव दिखाना होगा।

टीम इंडिया के लिए राहत की खबर

सर्जरी के बाद स्टार बल्लेबाज तिलक ने शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर सामने आई है। स्टार टी20 बल्लेबाज और टीम के डिज़ाइनेटेड नंबर-3 तिलक वर्मा ने सर्जरी के बाद फिजिकल ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तिलक जल्द ही भारत के लिए मैदान पर वापसी कर सकते हैं और उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी दो टी20 मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया गया है। तिलक वर्मा को विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के दौरान टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या के चलते सर्जरी करानी पड़ी थी। इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20द्व सीरीज के पहले तीन मुकाबलों से बाहर हो गए थे।अब, टी20 वर्ल्ड कप में दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय बाकी है और तिलक ने वापसी की दिशा में बड़ा कदम उठा लिया है।

चौथे T20 में वापसी का लक्ष्य

एक सूत्र के अनुसार, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो तिलक 28 जनवरी को विशाखापट्टनम में होने वाले चौथे टी20 से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग शुरू कर दी है और एक-दो दिन में बल्लेबाजी और अन्य स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग भी शुरू कर देंगे।' फिलहाल बल्लेबाजी शुरू नहीं, दर्द भी नहीं रिपोर्ट में बताया गया है कि तिलक फिलहाल बल्लेबाज़ी नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें किसी तरह का दर्द महसूस नहीं हो रहा है। वह जल्द ही बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचेंगे, जहां फिटनेस टेस्ट के बाद उन्हें रिटर्न टू प्ले की हरी झंडी दी जाएगी। तिलक वर्मा की अनुपस्थिति में श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया।

जॉबर्ग सुपर किंग्स एसए 20 के प्लेऑफ में पहुंचे

● पार्ल रॉयल्स को 45 रन से हराया, डु प्लॉय ने नाबाद 54 रन बनाए

नईदिल्ली (एजेंसी)। एसए-20 में जॉबर्ग सुपर किंग्स ने पार्ल रॉयल्स को 45 रन से हराकर (बोनस प्वाइंट सहित) प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला सोमवार शाम बोलैंड पार्क में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेएसके ने 6 विकेट पर 166 रन बनाए, जवाब में पार्ल रॉयल्स की टीम 18.1 ओवर में 122 रन पर ऑलआउट हो गई।

डु प्लॉय ने दबाव में बदला मैच - प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए यह मुकाबला जॉबर्ग सुपर किंग्स के लिए करो या मरो जैसा था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम की शुरुआत साधारण रही, लेकिन अंतिम ओवरों में डु प्लॉय ने मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। आखिरी दो ओवरों में 32 रन जुड़े, जिससे स्कोर 166 तक पहुंच सका। चोटिल फाफ डु प्लेसिस की जगह अंतिम समय में टीम में शामिल किए गए डु प्लॉय ने वकार सलामखेल के एक ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाया।

मिडिल ऑर्डर को नहीं मिली रफ्तार

इससे पहले नील टिमर्स ने 39 गेंदों में 37 रन बनाए। माइकल पेपर और मैथ्यू डी विलियर्स ने 23-23 गेंदों में 27-27 रन जोड़े, लेकिन रन गति अपेक्षित नहीं रही। पार्ल रॉयल्स की ओर से वकार सलामखेल ने 2 विकेट झटके।

बांग्लादेश हटा तो पाक भी टी-20 वर्ल्डकप नहीं खेलेगा ?

पीसीबी ने तैयारियां रोकीं, आईसीसी ने कहा था- बांग्लादेश को भारत में ही खेलना होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में अगर बांग्लादेश को हटाया जाता है, तो पाकिस्तान भी टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लेगा। यह दावा- पाकिस्तानी चैनल जियो न्यूज ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों के हवाले से किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पीसीबी ने टूर्नामेंट की तैयारियां भी रोक दी हैं। टीम मैनेजमेंट को सब्सटिट्यूट प्लान बनाने को कहा है। ताकि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट में भाग न लेने का फैसला करता है, तो स्थिति संभाली जा सके। हालांकि, पीसीबी या आईसीसी ने इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं की हत्याओं के बाद बीसीसीआई के कहने पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी पेसर मुस्तफिजुर रहमान आईपीएल 2026 से रिलीज कर दिया था। इससे नाराज बीसीबी अपने मैच भारत से बाहर कराने की मांग करने लगा।

7 फरवरी को बांग्लादेश का पहला मैच

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है।

बीसीबी की ग्रुप बदलने की मांग खारिज - क्रिकेट वेबसाइट क्रिकइंफो ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को 21 जनवरी तक यह तय करने को कहा है कि उसकी टीम वर्ल्ड कप खेलेगी या नहीं। आईसीसी ने इस मामले पर कोई अधिकृत बयान जारी नहीं किया है। 17 जनवरी को ढाका में एक बैठक में आईसीसी ने बीसीबी की ग्रुप बदलने की मांग खारिज कर दी। आईसीसी ने बीसीबी को यह भरोसा भी दिलाया कि बांग्लादेश टीम को कोई खास सुरक्षा खतरा नहीं है। बांग्लादेश बोर्ड ने कहा था कि उसे ग्रुप-सीकी जगह दूसरे ग्रुप-बी में शामिल किया जाए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में तेरेजा वैलेंटोवा ने उलटफेर किया

ऑस्ट्रेलिया की नंबर-1 खिलाड़ी माया जॉइंट को हराया; डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज दूसरे राउंड में

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी माया जॉइंट को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है। वर्ल्ड रैंकिंग 31 की जॉइंट को चेक गणराज्य की 18 साल की खिलाड़ी तेरेजा वैलेंटोवा ने सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। वैलेंटोवा की वर्ल्ड रैंकिंग 54 है। वहीं, विमेंस सिंगल्स की डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज ने भी जीत के साथ शुरुआत की है।

इस हार के साथ जॉइंट न सिर्फ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, बल्कि दूसरे दौर में पहुंचने पर मिलने वाली 2.25 लाख डॉलर (करीब 1.8 करोड़ रुपए) की इनामी राशि से भी वंचित रह गईं। मंगलवार को मेलबर्न के जॉन केन एरिना में खेले गए मुकाबले में

जॉइंट का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 19 साल की खिलाड़ी ने मैच में 8 डबल फॉल्ट किए, 5 बार उनकी सर्विस ब्रेक हुई और उन्हें कुल 17 ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

मैच जीतने के बाद वैलेंटोवा ने कहा- यह मेरे लिए अविश्वसनीय है। साल की शुरुआत में मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। मैं आईटीएफ टूर्नामेंट खेल रही थी और अब ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेन ड्रॉ में जीत दर्ज कर रही हूं।

मैडिसन कीज ने यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलीनिकोवा को हराया

डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज ने शुरुआती दबाव झेलने के बाद पहले दौर में यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलीनिकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। रॉड लेवर एरीना में खेले गए मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त कीज शुरुआत में लय में नहीं दिखीं। पहले सेट में वह 0-4 से पीछे हो गईं, लेकिन शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक ले गईं। टाईब्रेक में भी ओलीनिकोवा ने 4-0 की बढ़त बना ली थी और उनके पास दो सेट पॉइंट्स भी थे, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं।

शुभमन रणजी ट्रॉफी का दूसरा राउंड खेलेंगे

● 22 जनवरी को सौराष्ट्र से मुकाबला, रवींद्र जडेजा भी शामिल हो सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी का दूसरा राउंड खेलते नजर आएंगे। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक गिल इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे खेलने के बाद राजकोट जाने वाले हैं। जहां उनकी होम टीम पंजाब को सौराष्ट्र के खिलाफ लीग स्टेज में अपना छठा मैच खेलना है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इस मुकाबले में सौराष्ट्र से खेल सकते हैं।

22 जनवरी को शुरू होगा मुकाबला - 18 जनवरी को इंदौर वनडे के बाद शुभमन सोमवार सुबह टीम के कुछ प्लेयर्स के साथ दिल्ली पहुंचे। यहां से वे राजकोट के लिए फ्लाइट में बैठे। पंजाब को ग्रुप-बी में 22 जनवरी को होम टीम सौराष्ट्र से भिड़ना है। टीम की कप्तानी नमन धीर करेंगे।

टूर्नामेंट से नाम वापस लेंगे कैस्पर रूड! जैनिस त्जेन ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

मेलबर्न, एजेंसी। इंडोनेशिया की युवा टेनिस खिलाड़ी जैनिस त्जेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मंगलवार को एक ऐसा उपलब्धि हासिल किया, जिसका इंतज़ार 1998 से था। त्जेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेला फर्नांडीज को सीधे सेटों में 6-2, 7-6(7/1) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। 23 वर्षीय त्जेन इस जीत के साथ 28 साल बाद पहली इंडोनेशियाई खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मुख्य ड्रॉ मैच जीता। इससे पहले यह उपलब्धि यायुक बासुकी ने 1998 में हासिल की थी।

यूक्रेन की ओलिन्यकोवा और साहस की कहानी

दूसरी ओर, यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा ने भले ही डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज़ से 7-6(8/6), 6-1 से हार झेली, लेकिन उनका साहस पूरे एरेना को भावुक कर गया। 25 वर्षीय ओलिन्यकोवा ने कहा, 'यह मेरे करियर का सबसे अच्छा अनुभव है। इसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' ओलिन्यकोवा ने यूएस ओपन से पहले अपनी ट्रेनिंग कीव में ही जारी रखी, जबकि शहर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में रहा। उन्होंने साझा किया, 'एक विस्फोट मेरे घर के पास हुआ। ड्रोन मेरे सामने वाली बिल्डिंग से टकराया। मेरा अपार्टमेंट धमाके से हिल रहा था।'उनके पिता यूक्रेनी सेना में तैनात हैं। हार के बाद भी वह मुस्कुराती रहीं और बोलीं, 'मुझे पता है कि यह उनका सपना था मुझे इस कोर्ट पर खेलने का। मैंने उनका सपना पूरा किया। अब मैं उन्हें और ज्यादा गर्व महसूस कराना चाहती हूं।' यह मैच सिर्फ टेनिस नहीं, बल्कि युद्धकाल में मानवीय दृढ़ता की कहानी था।

कैस्पर रूड टूर्नामेंट से हट सकते हैं

दूसरी ओर नॉर्वे के कैस्पर रूड ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में पहुंच चुके हैं, लेकिन उनका मन पूरी तरह कोर्ट पर नहीं है। रूड जल्द ही पिता बनने वाले हैं और उनकी पत्नी मारिया किसी भी समय डिलीवरी पर जा सकती हैं। रूड ने कहा, 'मुझे मारिया का शुक्रिया करना होगा कि उन्होंने मुझे आने दिया। मेरे फोन की रिंगर हर समय ऑन रहती है। अगर वह लेबर में गईं, तो मैं अगले दिन यहां नहीं रहूंगा।'उन्होंने आगे जोड़ा, 'जिंदगी में सिर्फ टेनिस ही सब कुछ नहीं है। मैं यहां तब तक रहूंगा, जब तक मारिया चाहेंगी।' टेनिस में प्रोफेशनलिज्म और निजी जीवन के बीच संतुलन का यह एक मानवीय उदाहरण है। एक तरफ त्जेन ने इतिहास रचा, दूसरी तरफ ओलिन्यकोवा ने साहस दिखाया, और रूड ने साबित किया कि खिलाड़ी भी इंसान हैं।

भारत आना घर वापसी जैसा, चांद पर टिकाऊ वापसी होनी चाहिए: सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली । भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनॉट) सुनीता विलियम्स ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान अंतरिक्ष, चांद, नई स्पेस रेस और भारत से अपने भावनात्मक रिश्ते पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि भारत आना उन्हें हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे, इसलिए भारत से उनका रिश्ता सिर्फ भावनात्मक नहीं बल्कि पारिवारिक भी है। सुनीता विलियम्स ने मौजूदा वैश्विक हालात पर बात करते हुए कहा कि आज दुनिया में एक नई स्पेस रेस जरूर चल रही है, लेकिन यह रेस पहले जैसी नहीं है। यह सिर्फ झंडा गाड़ने या सबसे पहले पहुंचने की दौड़ नहीं है, बल्कि इस बात की प्रतिस्पर्धा है कि इंसान चांद पर कैसे लौटता है। उन्होंने साफ कहा कि चांद पर वापसी टिकाऊ, जिम्मेदार और लोकतांत्रिक तरीके से होनी चाहिए।

चांद पर वापसी का नया नजरिया-

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए सुनीता विलियम्स ने कहा, "एक स्पेस रेस चल रही है, लेकिन यह इस बात की रेस है कि हम चांद पर किस तरह लौटते हैं। हम वहां सस्टेनेबल तरीके से जाना चाहते हैं, ताकि नियम तय हों और अलग-अलग देश मिलकर काम कर सकें।" उन्होंने चांद पर सहयोगात्मक मॉडल की तुलना अंटार्कटिका से की। उनका कहना था कि जैसे अंटार्कटिका में कई देश मिलकर रिसर्च करते हैं, वैसे ही चांद पर भी साझा नियम, साझा जिम्मेदारी और साझा रिसर्च होनी चाहिए। इससे न सिर्फ टकराव कम होंगे, बल्कि मानवता के लिए अंतरिक्ष खोज ज्यादा सुरक्षित और फायदेमंद बनेगी।

स्पेस ट्रैवल कोई अकेले का खेल नहीं-

सुनीता विलियम्स ने इस बात पर खास जोर दिया कि स्पेस ट्रैवल एक टीम स्पोर्ट है। इसमें किसी एक देश या एजेंसी का नहीं, बल्कि कई देशों, वैज्ञानिकों और संस्थानों का योगदान होता है। उन्होंने कहा कि अगर अंतरिक्ष में आगे बढ़ना है, तो देशों को आपसी प्रतिस्पर्धा से ज्यादा साझेदारी पर ध्यान देना होगा। उनके मुताबिक, अंतरिक्ष मिशन तभी सफल हो सकते हैं जब वैज्ञानिक, इंजीनियर, पायलट, टेक्नीशियन और नीति-निर्माता एक टीम की तरह काम करें। यही मॉडल भविष्य के चंद्र और मंगल मिशनों की बुनियाद बनेगा।

स्पेस का कॉमर्शियलाइजेशन क्यों जरूरी-

सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष के कॉमर्शियलाइजेशन को भी बेहद जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों की भागीदारी से स्पेस सेक्टर में नई जान आई है। इससे न सिर्फ टेक्नोलॉजी आगे बढ़ी है, बल्कि रोजगार और इनोवेशन के नए मौके भी पैदा हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज सैटेलाइट टेक्नोलॉजी, स्पेस एक्सपेरिमेंट, 3D प्रिंटिंग, मटेरियल साइंस और कम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। इसका सीधा फायदा आम लोगों तक पहुंच रहा है—चाहे वह मौसम की सटीक जानकारी हो, बेहतर इंटरनेट हो या आपदा प्रबंधन में मदद।

चांद पर जाने पर मजाकिया जवाब-

जब NDTV से बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद चांद पर जाना चाहेंगी, तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। सुनीता विलियम्स ने हंसते हुए कहा, "मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे मार डालेंगे।" हालांकि इस मजाक के पीछे उन्होंने एक गंभीर बात भी कही। उनका कहना था कि अब घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को आगे आने का मौका मिलना चाहिए। युवा वैज्ञानिकों और एस्ट्रोनॉट्स को नई जिम्मेदारियां दी जानी चाहिए, ताकि वे भविष्य के मिशनों का नेतृत्व कर सकें।

भारत से भावनात्मक रिश्ता-

सुनीता विलियम्स का भारत के प्रति लगाव उनके शब्दों में साफ झलकता है। उन्होंने कहा कि भारत आना उन्हें सिर्फ एक दौरा नहीं लगता, बल्कि अपने पूर्वजों की धरती पर लौटने जैसा अनुभव देता है। भारत की युवा पीढ़ी, खासकर विज्ञान और अंतरिक्ष में रुचि रखने वाले छात्रों की उन्होंने जमकर तारीफ की। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत आने वाले समय में अंतरिक्ष अनुसंधान में और बड़ी भूमिका निभाएगा और वैश्विक स्तर पर सहयोग का मजबूत उदाहरण बनेगा। कुल मिलाकर, सुनीता विलियम्स का संदेश साफ था—अंतरिक्ष की दौड़ जीतने से ज्यादा जरूरी है कि इंसानियत वहां सही तरीके से पहुंचे, मिलकर काम करे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य तैयार करे।

संभल में ASP अनुज पर FIR देने वाले CJM का तबादला, नए CJM ने संभल संभाली

संभल । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार की शाम उत्तर प्रदेश के न्यायिक तंत्र में बड़ा फेरबदल किया। कुल 14 जजों का तबादला किया गया है, जिसमें तीन जिला जज स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल सर्विसेज रजनीश कुमार की ओर से यह लिस्ट जारी की गई। इस लिस्ट में सबसे चौंकाने वाला नाम संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) विभांशु सुधीर का है। विभांशु सुधीर 9 जनवरी, 2026 को ASP अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ FIR दर्ज करने के आदेश देने वाले CJM थे। इस मामले में आरोप था कि संभल हिंसा के दौरान ASP अनुज चौधरी और अन्य पुलिसकर्मियों ने एक युवक को गोली मारी थी। इसके बाद विभांशु सुधीर को सुल्तानपुर में सिविल जज सीनियर डिवीजन के पद पर भेज दिया गया है। संभल का नया CJM अब चंदौसी के सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह होंगे। आदित्य सिंह ने पहले संभल के श्री हरिहर मंदिर बनाम शाही जामा मस्जिद मामले में सर्वे कराने के आदेश दिए थे। अब बात करते हैं कि पुलिसकर्मियों पर FIR के आदेश क्यों हुए। संभल के नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला खग्गू सराय अंजुमन निवासी यामीन ने 6 फरवरी, 2025 को CJM कोर्ट में याचिका दायर की थी। यामीन ने बताया कि उनका बेटा आलम 24 नवंबर, 2024 को रस्क (टोस्ट) बेचने के लिए घर से निकला था। वह शाही जामा मस्जिद क्षेत्र में पहुंचा तो पुलिस ने उस पर गोली चला दी। यामीन ने तत्कालीन सीओ संभल अनुज चौधरी, संभल कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर और 12 अन्य पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया। इसके बाद 9 जनवरी, 2026 को सुनवाई के दौरान CJM विभांशु सुधीर ने सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने के आदेश दिए। यामीन के वकील चौधरी अख्तर हुसैन ने बताया कि उनके मुवक्किल का बेटा पुलिस के डर से अपना इलाज छुपकर करवा रहा था। कोर्ट में FIR दर्ज कराने की मांग अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी की गई थी। इस आदेश ने न्यायिक और पुलिस दोनों ही स्तरों पर हलचल मचा दी। अधिकारी वर्ग ने इसे संवेदनशील मामला मानते हुए ध्यान से देखा। FIR दर्ज करने के बाद मामले की जांच को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाए रखने पर जोर दिया गया। संभल में यह घटना और FIR के आदेश ने कानून व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए। CJM विभांशु के तबादले से यह संकेत भी मिला कि संवेदनशील मामलों में न्यायिक निर्णय का प्रभाव कभी-कभी प्रशासनिक फेरबदल से जुड़ जाता है। इस पूरी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुलिसकर्मी भी कानून के तहत जवाबदेह हैं और नागरिकों की शिकायत पर अदालत सक्रिय भूमिका निभा सकती है। नए CJM आदित्य सिंह की जिम्मेदारी होगी कि वह संभल के न्यायिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और संवेदनशील मुद्दों पर निष्पक्ष निर्णय लें।

IIT खड़गपुर में तीन दिवसीय टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट 'क्षितिज 2026' का भव्य आयोजन

पश्चिम मेदिनीपुर । IIT खड़गपुर में 16 से 18 जनवरी तक तीन दिवसीय टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट 'क्षितिज 2026' का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 25 से 30 हजार छात्र शामिल हुए। यह फेस्ट टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, रिसर्च और स्टार्टअप के साथ एंटरटेनमेंट का भी बड़ा मंच रहा। तीन दिनों तक IIT खड़गपुर का कैंपस टेक्निकल प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनी, गेस्ट लेक्चर और नाइट फेस्ट के लिए सज्जित रहा।

पहला दिन: ओपनिंग सेरेमनी और गेस्ट लेक्चर-

फेस्ट का पहला दिन ओपनिंग सेरेमनी, गेस्ट लेक्चर और वर्कशॉप के साथ शुरू हुआ। पहले गेस्ट लेक्चर में के. एन. व्यास, पूर्व चेयरमैन, एटॉमिक एनर्जी कमीशन और पूर्व सचिव, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी (DAE) ने एटॉमिक रिसर्च और न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी में हो रहे बदलावों पर छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। वहीं दूसरे गेस्ट लेक्चर में ऋषि कुमार शुक्ला, पूर्व डायरेक्टर, CBI ने डिजिटल दौर में साइबर सिक्योरिटी, बढ़ते साइबर अटैक्स और मॉडर्न पुलिसिंग टेक्नोलॉजी के विषय में छात्रों को जागरूक किया। इसके अलावा AI वर्कशॉप और नाइट फेस्ट में छात्रों ने संगीत और मनोरंजन का आनंद लिया।

दूसरा दिन: आर्मी–ISRO प्रदर्शनी और तकनीकी मुकाबले-

दूसरे दिन IIT खड़गपुर में इंडियन आर्मी और ISRO की प्रदर्शनी आयोजित की गई। इंडियन आर्मी के स्टॉल पर छात्रों को राइफल्स, सेफ्टी इक्विपमेंट और सेना में इस्तेमाल होने वाले आधुनिक उपकरण दिखाए गए। ISRO ने रॉकेट लॉन्च के तीनों स्टेज के इंजन, चंद्रयान, मंगलयान और सैटेलाइट्स के मॉडल प्रदर्शित किए। साथ ही, छात्रों के लिए हाई-इंटेंसिटी तकनीकी मुकाबले आयोजित किए गए। इसी दिन एक पैनल डिस्कशन भी हुआ, जिसमें IIT खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती, डॉ. वी. नारायणन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, ग्रुप कैप्टन अजित क्रिश्नन और प्रोफेसर आलोक ने भाग लिया। डॉ. वी. नारायणन ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे उन्होंने क्रायोजेनिक इंजीनियरिंग में शिक्षा लेकर एयरोस्पेस में करियर बनाया। ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप ने बताया कि गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्री डिजाइन, विकास और टेस्टिंग में भी योगदान देते हैं। ग्रुप कैप्टन अजित क्रिश्नन ने कहा कि फाइटर पायलट पहले से ही 80% अंतरिक्ष यात्री होता है, फर्क केवल मानसिकता का होता है।

तीसरा दिन: हैकथॉन, गेस्ट लेक्चर और ग्रैंड फिनाले-

फेस्ट के तीसरे दिन हैकथॉन, सोलर विजन और रोबो वॉर्स जैसे इवेंट्स आयोजित किए गए। इसमें ब्लॉकचेन हैकथॉन भी शामिल था। गेस्ट लेक्चर में ए. एस. किरन कुमार, संजीव खन्ना और अन्य सम्मानित मेहमान उपस्थित रहे। छात्रों ने नए टेक्नोलॉजी ट्रेंड्स और स्टार्टअप आइडियाज पर चर्चा की।

ट्रम्प का एयरफोर्स-1 विमान बीच उड़ान में लौटा

-तकनीकी खराबी के कारण यात्रा में देरी

जेनेवा (एजेंसी) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में हिस्सा लेने की यात्रा में तकनीकी बाधा आ गई। टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद उनका विमान वॉशिंगटन लौट आया। व्हाइट हाउस की ओर से बताया गया कि विमान में तकनीकी खराबी आई थी, जिसके चलते सुरक्षा कारणों से इसे तुरंत वापस लाने का फैसला लिया गया। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लीविट ने जानकारी दी कि टेकऑफ के तुरंत बाद क्रू को विमान में एक मामूली इलेक्ट्रिकल समस्या का पता चला। यह समस्या किसी गंभीर तकनीकी खामी की नहीं थी, लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को लौटाना जरूरी समझा गया। लीविट ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प को किसी भी तरह का खतरा नहीं था और उन्होंने थोड़ी देर बाद दूसरे विमान से अपनी यात्रा जारी की। ट्रम्प आज दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल होंगे, जहां दुनिया के कई प्रमुख नेता और उद्योगपति मौजूद रहेंगे। उनके कार्यक्रम के मुताबिक, यह फोरम वैश्विक आर्थिक हालात, निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मुद्दों पर विचार-विमर्श का मंच है। अमेरिकी राष्ट्रपति की आधिकारिक यात्राओं के लिए एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले दो विमानों में से प्रत्येक लगभग चार दशक पुराना है। ये बोइंग 747-200 मॉडल के विमान हैं और अबतक कई बार उनके पुराने होने और तकनीकी मजबूती को लेकर सवाल उठते रहे हैं। अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग इनके नए विकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन यह प्रोजेक्ट लगातार समय से पीछे चल रहा है और कई कारणों से देरी का शिकार हुआ है। पिछले साल कतर के शाही परिवार ने ट्रम्प को एक नई लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट उपहार में दिया था। यह विमान भविष्य में एयर फोर्स वन फ्लीट में शामिल किया जाएगा।

देशभर में कोहरा, बारिश और भीषण ठंड से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली । देश के कई हिस्सों में इस समय कड़ाके की सर्दी, घना कोहरा और बदलता मौसम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों से मौसम से जुड़ी गंभीर खबरें सामने आई हैं। कहीं कोहरे के कारण सड़क हादसे हो रहे हैं, तो कहीं ट्रेनें लेट चल रही हैं, वहीं पहाड़ी इलाकों में तापमान शून्य से काफी नीचे पहुंच गया है।

राजस्थान में कोहरे का कहर-

राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। धुंध इतनी घनी थी कि सामने का कुछ भी साफ नजर नहीं आ रहा था। इसी दौरान एक बस और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद पीछे से आ रही अन्य गाड़ियां भी बस से टकरा गईं। इस श्रृंखलाबद्ध टक्कर में कुल चार वाहन आपस में भिड़ गए। हादसे में 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, कोहरे के कारण विजिबिलिटी बेहद कम थी, जिससे ड्राइवर समय पर ब्रेक नहीं लगा सके।

बिहार में कोहरे से रेल यातायात प्रभावित-

बिहार के अररिया, पूर्णिया समेत पांच जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी कम होने का सीधा असर रेल यातायात पर पड़ा। कोहरे की वजह से कम से कम पांच ट्रेनें देरी से चल रही हैं। यात्रियों को स्टेशनों पर लंबा इंतजार करना पड़ा। औरंगाबाद सहित कई शहरों में सुबह से ही बादल छाए रहे, जिससे ठंड और बढ़ गई है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक कोहरे की स्थिति बने रहने की संभावना जताई है।

मध्य प्रदेश में बारिश का अलर्ट-

मध्य प्रदेश में मौसम करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने 23 और 24 जनवरी को ग्वालियर, रीवा समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश के साथ कोहरा भी छाया रह सकता है। इससे तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ने की आशंका है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम को देखते हुए फसलों की सुरक्षा के इंतजाम करें।

यूपी समेत 6 राज्यों में बारिश की संभावना-

उत्तर प्रदेश सहित देश के छह राज्यों में दो दिन बाद बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव देखने को मिल सकता है। राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश के साथ ओले गिरने की भी आशंका है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंच सकता है।

ट्रम्प बोले- 10 महीनों में भारत-पाकिस्तान समेत 8 युद्ध रोके

-नोबेल शांति पुरस्कार का दावा

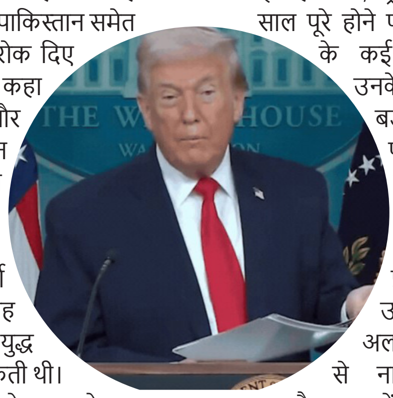

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात दावा किया कि उनके दूसरे कार्यकाल के पहले साल में उन्होंने 10 महीनों में भारत और पाकिस्तान समेत आठ युद्ध रोक दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति बेहद तनावपूर्ण थी और यह परमाणु युद्ध तक जा सकती थी। लेकिन उनके हस्तक्षेप और कूटनीतिक प्रयासों की वजह से दुनिया बड़े युद्ध और न्यूक्लियर संकट से बच गई। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इन संघर्षों को रोकने के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था। ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने पर यह बयान दिया और जोर देकर कहा कि उनके निर्णयों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई और दुनिया बड़े युद्धों से सुरक्षित रही। उनके अनुसार, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, ट्रम्प के इस साल पूरे होने पर अमेरिका के कई शहरों में उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी हुए। प्रदर्शनकारी उनके अलग-अलग नीतियों से नाराज दिखे और उन्होंने पोस्टर, पुतले, विशेष कपड़े और नारे लगाकर विरोध जताया। उनके विरोधियों का मानना है कि ट्रम्प की नीतियों ने अमेरिका की वैश्विक छवि और वर्षों में बनाए गए भरोसे को नुकसान पहुंचाया है। ट्रम्प प्रशासन को पिछले एक साल में कई निर्णयों की वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

किम जोंग उन ने डिप्टी पीएम को मंच से बर्खास्त किया:

-"गाड़ी बैल खींचता है, बकरी नहीं"

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने डिप्टी प्रधानमंत्री यांग सुंग-हो को बर्खास्त कर दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी KCNA के अनुसार किम जोंग उन सोमवार को योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स में इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के पहले चरण के उद्घाटन के लिए मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने मंच से ही यांग को हटाने का आदेश दिया और उन्हें कड़ी फटकार भी लगाई। किम जोंग उन ने कहा, "बहुत देर होने से पहले, अपने पैरों पर खुद यहां से चले जाओ।" उन्होंने स्पष्ट किया कि यांग बड़ी जिम्मेदारियों के लिए सक्षम नहीं हैं। किम ने उदाहरण देते हुए कहा, "एक बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती। यह हमारे कैडर अपॉइंटमेंट सिस्टम में हुई एक गलती थी। आखिरकार, गाड़ी बैल खींचता है, बकरी नहीं।" किम ने यह भी बताया कि यांग को कई मौके दिए गए थे ताकि वे योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स के पहले चरण के आधुनिकीकरण में हुई गंभीर गलतियों को सुधार सकें, लेकिन किसी सुधार का कोई संकेत नहीं मिला। इसके बावजूद उन्हें पद से हटाना जरूरी हो गया। किम ने यह स्पष्ट किया कि यांग को हटाना इसका मतलब यह नहीं है कि वे "पार्टी-विरोधी" हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यांग ने पार्टी की केंद्रीय समिति को ऐसे सुझाव दिए जो व्यावहारिक नहीं थे और न ही सच्चाई पर आधारित थे। इसके अलावा उन्होंने पार्टी को अपने व्यक्तिगत फायदे के लिए गुमराह करने की कोशिश भी की, यहां तक कि पिछले महीने हुई पार्टी की अहम बैठक में भी। किम ने कहा कि यांग को एक और मौका दिया गया था, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हो गया कि उनमें जिम्मेदारी की भावना बिल्कुल नहीं है।

ईरान से सुरक्षित लौटे भारतीय छात्र:

-दूसरे बैच की वापसी, अब तक 200 से ज्यादा भारत पहुंचे

श्रीनगर । ईरान में जारी हिंसक हालात के बीच वहां फंसे भारतीय छात्रों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारतीय छात्रों का दूसरा बैच मंगलवार रात सुरक्षित भारत लौट आया। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (JKSA) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में यह वापसी छात्रों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जो बीते कई हफ्तों से अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। JKSA के अनुसार, ईरान से लौटे छात्र दुबई और शारजाह के रास्ते एअर इंडिया की फ्लाइट AI-996 और AI-930 से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। इन छात्रों ने अपनी यात्रा का खर्च खुद वहन किया। अब तक ईरान से 200 से अधिक भारतीय छात्र सुरक्षित भारत लौट चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या जम्मू-कश्मीर से ताल्लुक रखने वाले छात्रों की है, जो वहां मेडिकल और अन्य प्रोफेशनल कोर्सेज की पढ़ाई कर रहे थे। एसोसिएशन ने बताया कि हालात बिगड़ने के बाद कई छात्र समय रहते ईरान नहीं छोड़ पाए थे। अजरबैजान और मस्कट के जरिए चलने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट्स समेत कई सिविल एविएशन सेवाएं पहले ही रद्द कर दी गई थीं। अचानक फ्लाइट्स बंद होने और एयरस्पेस में अनिश्चितता के कारण छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई छात्रों के पास सीमित संसाधन थे और वे लगातार बदलते हालात के बीच फंसे हुए थे। इससे पहले 17 जनवरी को भी भारतीय छात्रों का एक बैच ईरान से भारत लौटा था। उस समय भी JKSA ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास किए थे। संगठन लगातार भारत सरकार और संबंधित एजेंसियों से संपर्क में रहा, ताकि फंसे हुए छात्रों की मदद की जा सके। हालांकि, छात्रों और उनके परिजनों की मांग है कि सरकार इस पूरे संकट को देखते हुए विशेष निकासी व्यवस्था (एवैक्यूएशन) पर गंभीरता से विचार करे, ताकि बाकी बचे छात्रों को भी सुरक्षित निकाला जा सके। गौरतलब है कि ईरान में हालात दिसंबर 2025 के अंत से बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। वहां की करेंसी 'रियाल' के ऐतिहासिक रूप से नीचे गिरने और बढ़ती महंगाई के विरोध में 28 दिसंबर 2025 से बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हुए थे।

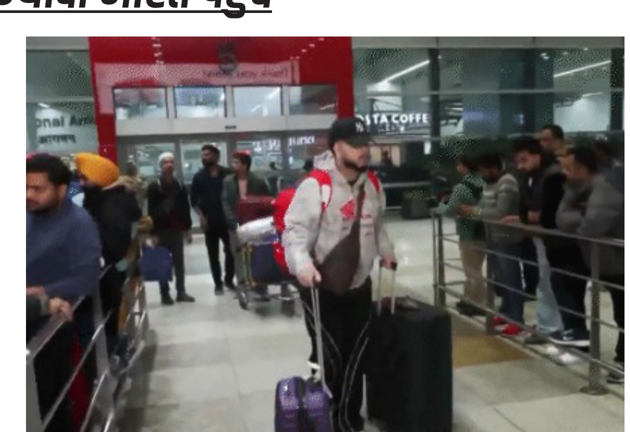

शुरुआत में ये प्रदर्शन आर्थिक मांगों तक सीमित थे, लेकिन धीरे-धीरे इनका दायरा बढ़ता गया और देश के सभी 31 प्रांतों में हिंसा फैल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों में अब तक 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में बड़ी संख्या आम नागरिकों की बताई जा रही है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं, जिससे सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बाधित कर दी गईं और आवाजाही पर सख्त पाबंदियां लगा दी गईं। इन परिस्थितियों का सबसे ज्यादा असर विदेशी छात्रों पर पड़ा, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी शामिल हैं। मेडिकल यूनिवर्सिटीज और अन्य शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को न केवल सुरक्षा की चिंता सताने लगी, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया। कई छात्रों ने बताया कि उन्हें हॉस्टल से बाहर निकलने में डर लग रहा था और हालात पल-पल बदल रहे थे। भारत लौटे छात्रों ने सुरक्षित पहुंचने के बाद राहत की सांस ली है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com